राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linkedin
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार,९अप्रैल २०२१ वर्ष-४, अंक -७५ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बांग्लादेश की पांच दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए सेना प्रमुख, रक्षा सहयोग और मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाना होगा मकसद

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे बांग्लादेश की यात्रा के लिए रवाना हो गए हैं। सेना की तरफ से आए ताजा बयान के मुताबिक, सेना प्रमुख अगले पांच दिनों तक पड़ोसी देश के दौरे पर हैं। इस यात्रा का उद्देश्य भारत और बांग्लादेश के बीच रक्षा सहयोग और मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को और आगे बढ़ाना है। इस यात्रा के

बारे में अतिरिक्त सार्वजनिक सूचना महानिदेशालय, सेना के आइएसक्यू के ट्विटर हैंडल द्वारा जानकारी साझा की गई थी।

इससे पहले गए थे ढाका

ट्वीट कर कहा, सेना प्रमुख बांग्लादेश के पांच दिवसीय दौरे पर आगे बढ़े। इस यात्रा का उद्देश्य भारत और बांग्लादेश के बीच मजबूत सहयोग और मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाना है। बता दें कि इससे पहले 4 अप्रैल को भारतीय सेना का प्रतिनिधिमंडल ढाका में एक बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास में भाग लेने के लिए गया था, जिसका नाम शान्तिर ऑर्गोसेना 2021 था।

4-12 अप्रैल तक बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास

गौरतलब है कि यहां पर बंगलाबंधु शेख मुजीबुर रहमान की जन्म शताब्दी और बांग्लादेश मुक्ति की स्वर्ण जयंती को चिह्नित करने के लिए 4-12 अप्रैल से बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास आयोजित किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के एम्स अस्पताल में ली कोरोना टीके की दूसरी खुराक

लोगों से की अपील

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार सुबह दिल्ली के एम्स अस्पताल में कोरोना टीके की दूसरी खुराक ली। उन्होंने बीती 1 मार्च को कोरोना टीके की पहली डोज ली थी। पीएम नरेंद्र मोदी ने भारत बायोटेक का बनाया कोरोना टीका लगवाया है।

टीके की दूसरी खुराक लेने के बाद पीएम मोदी ने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की कि वे को-विन ऐप पर पंजीकरण करवाकर टीका लें क्योंकि टीकाकरण ही उन चुनिंदा रास्तों में से एक है, जिसके जरिए वायरस को हराया जा सकता है। खबरों के मुताबिक, पीएम नरेंद्र मोदी को कोविड टीके की दूसरी खुराक पंजाब की नर्स निशा शर्मा ने दी। हालांकि इस दौरान उनके साथ पुडुचेरी की नर्स पी. निवेदा भी मौजूद थीं।

नर्स ने कहा- पीएम मोदी को टीका देना यादगार लम्हा

पीएम नरेंद्र मोदी को आज पंजाब की नर्स निशा शर्मा ने कोरोना टीके की दूसरी डोज दी। उनके साथ पुडुचेरी की नर्स पी. निवेदा भी थीं, जिन्होंने पीएम मोदी को टीके की पहली खुराक दी थी। टीका दिए जाने के बाद नर्स निशा शर्मा ने कहा, मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टीके की दूसरी डोज दी। उन्होंने हमसे बात की। उन्हें वैक्सीन देना और उनसे मिलना मेरे लिए यादगार लम्हा है।

एक मार्च को पीएम मोदी ने ली थी वैक्सीन की पहली डोज

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वैक्सीन की पहली डोज 1 मार्च को ली थी। इसी दिन देश में टीकाकरण का दूसरा चरण शुरू हुआ था। पीएम मोदी ने उस वक्त अचानक एम्स पहुंचकर टीका लगवाया था। उस समय भी पीएम मोदी को पुडुचेरी की सिस्टर पी. निवेदा ने ही कोरोना टीका लगाया था।

मुख्तार अंसारी के बहाने बीजेपी नेता का ममता बनर्जी पर तंज, बोले-

एक हार के डर से व्हीलचेयर पर, दूसरा मार के डर से

कोलकाता। अपने बयानों से सुर्खियों में रहने वाले मध्य प्रदेश के गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी नेता नरोत्तम मिश्रा ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और बहुजन समाद पार्टी नेता मुख्तार अंसारी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इन दिनों देश में दो व्हीलचेयर फेमस है। एक हार के डर से व्हीलचेयर पर हैं तो दूसरे मार के डर से। आसनसोल में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि एक व्हिलचेयर पंजाब से उत्तर प्रदेश के बांदा पहुंचा है। दूसरा यहां है। एक सत्ता जाने के डर से व्हीलचेयर में है। दूसरा मार के डर से। इन दिनों व्हीलचेयर एक अजीब स्थिति में है। आपको बता दें कि गैंगस्टर से राजनेता बने मुख्ता अंसारी, जो जबरन वसूली के मामले में पंजाब की जेल में दो साल से अधिक समय बिता चुके थे, बुधवार को उत्तर प्रदेश पुलिस की विशेष सुरक्षा टीम के द्वारा उत्तर प्रदेश की बांदा जेल में लाया गया। मोहाली में एक जिला अदालत में पेश किए जाने के दौरान, अंसारी को व्हीलचेयर में देखा गया था। पेशी को दौरान उन्होंने अदालत को बताया था कि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है। अदालत ने जेल के अधिकारियों को मेडिकल टेस्ट करवाने के लिए कहा था। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी के पैर पिछले महीने नंदीग्राम में चुनाव प्रचार के दौरान घायल हो गया था। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री व्हीलचेयर पर बैठकर चुनाव प्रचार कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि उन्हें भीड़ ने धक्का दे दिया। सोमवार को हुगली के देवबंदपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी

● आपको बता दें कि गैंगस्टर से राजनेता बने मुख्ता अंसारी, जो जबरन वसूली के मामले में पंजाब की जेल में दो साल से अधिक समय बिता चुके थे, बुधवार को उत्तर प्रदेश पुलिस की विशेष सुरक्षा टीम के द्वारा उत्तर प्रदेश की बांदा जेल में लाया गया।

ने भाजपा पर निशाना साधा और कहा, क्या भाजपा के लोग चुनाव लड़ने के लिए स्थानीय उम्मीदवार नहीं ढूंढ सकते? उनके पास स्थानीय लोग नहीं हैं। उनके सभी लोग टीएमसी या सीपीएम से उधार ले रहे हैं। पानी की तरह पैसा बहाया जा रहा। मैं एक पैर पर बंगाल जीतूंगी और भविष्य में दो पैरों पर दिल्ली में जीत हासिल करूंगी।

टीके की कमी के आरोप को डॉ. हर्षवर्धन ने बताया बकवास, कहा- विफलता छुपाने की कोशिश

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सहित कई राज्यों की ओर से टीके की किल्लत की शिकायत को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन ने गैर-जिम्मेदाराना बताया है। उन्होंने कहा कि यह बयान लोगों का ध्यान बांटने और उनमें दहशत फैलाने के लिए दिया गया है। डॉ. हर्षवर्द्धन ने महाराष्ट्र पर इस महामारी को लेकर उसकी विफलताएं ढंकने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया। कड़े शब्दों में जारी किए गए बयान में मंत्री ने टीके की कमी के महाराष्ट्र सरकार के दावे को बकवास बताया और कहा कि राज्य के 'लापरहवाहीपूर्ण रवैये ने इस वायरस के खिलाफ लड़ाई में पूरे देश के प्रयास को कमतर किया है। उन्होंने कहा, 'जिम्मेदाराना तरीके से काम करने की महाराष्ट्र की असमर्थता समझ से परे है। लोगों में दहशत फैलाना स्थिति को और बिगाड़ना है। टीके की आपूर्ति मांग के हिसाब से निश्चित समयसीमा में की जा रही है और राज्य सरकार को नियमित रूप से इस बात की सूचना दी जा रही है। टीके की कमी के आरोप पूरी तरह बेबुनियाद हैं।'

क्या कहना है महाराष्ट्र का?

इससे पहले महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा था कि महाराष्ट्र में कई टीकाकरण केंद्र कोरोना वायरस टीकों की कमी की वजह से बंद किए जा रहे हैं और फिलहाल राज्य में 14 लाख खुराक ही हैं जो तीन दिनों में खत्म हो जाएंगी। अठारह साल से उपर के सभी लोगों के लिए टीकाकरण खोल देने की नेताओं की मांग पर केंद्रीय मंत्री कहा कि टीकाकरण का प्राथमिक लक्ष्य सबसे अधिक जोखिम वाले लोगों में मृत्यु का अनुपात घटाना और समाज को इस महामारी को हराने के लायक बनाना है। उन्होंने कहा, 'जबतक टीके की आपूर्ति सीमित है तब तक प्राथमिकीकरण के सिवा कोई और विकल्प नहीं है। बता दें कि महाराष्ट्र और दिल्ली टीकाकरण के लिए उम्र सीमा हटाने की मांग कर रहे हैं । हर्षवर्धन ने छत्तीसगढ़ के बारे में कहा कि निरंतर ऐसे बयान दिये जा रहे हैं जिनकी मंशा टीकाकरण के बारे में दुष्प्रचार और घबराहट फैलाना है। उन्होंने कहा कि पंजाब में मृत्यु दर को घटाने के लिए ऐसे मरीजों की जल्द पहचान किए जाने की आवश्यकता है

यूपी में स्कूल-कॉलेज 15 अप्रैल तक बंद, कोचिंग भी नहीं चलेंगी

लखनऊ। यूपी में बढ़ते कोरोना केस के कारण लखनऊ, प्रयागराज,वाराणसी और कानपुर में नाइट कर्फ्यू लगा दिया गया है। लखनऊ के कमिश्नर रंजन कुमार ने बताया कि फिलहाल 16 अप्रैल तक रात्रिकालीन कर्फ्यू की व्यवस्था रहेगी। तय तारीख के बाद एक बार फिर स्थिति की समीक्षा की जाएगी। इसके बाद निर्णय लिया जाएगा। सुबह छह बजे से रात नौ बजे तक कोविड दिशा निर्देशों का सख्ती से पालन कराते हुए सामान्य रूप से जन जीवन चलता रहेगा। इसके अलावा मास्क और कोविड दिशा निर्देशों का सख्ती से पालन कराने के लिए भी टीमें गठित की जाएंगी। ग्रामीण इलाकों को त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों की

वजह से फिलहाल कर्फ्यू से छूट दी गई है।

सभी सरकारी गैर सरकारी स्कूल-कॉलेज 15 तक बंद

जिलाधिकारी ने तत्काल प्रभाव से सभी सरकारी, गैर सरकारी, निजी शिक्षण संस्थान-महाविद्यालय और कोचिंग बंद करने का निर्देश दिया है। इसमें मैनेजमेंट और इंजीनियरिंग कॉलेज भी शामिल हैं। वहीं, चिकित्सा, नर्सिंग, पैरा मेडिकल संस्थानों पर ये निर्देश लागू नहीं होगा। डीएम अभिषेक प्रकाश ने बताया कि इसके अलावा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान जहां परीक्षाएं या प्रेक्टिकल चल रहे हैं वे खुले रहेंगे। वहां कोविड दिशा निर्देशों का सख्ती से पालन करते हुए परीक्षा या प्रेक्टिकल होंगे।

सीएम कल बीएचयू में करेंगे समीक्षा -मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नौ अप्रैल को वाराणसी का दौरा करेंगे। वह लखनऊ से हेलीकाप्टर से सीधे बीएचयू परिसर पहुंचेंगे। वहां जिला व बीएचयू प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ कोविड नियंत्रण के लिए हो रहे उपायों की समीक्षा करेंगे।

वैक्सीन ही नहीं भारतीय सिरिंज भी कोरोना के खिलाफ लड़ाई में बनी अहम हथियार, आशा भरी नजरों से देख रही दुनिया

नई दिल्ली। वैक्सीन उत्पादन के मामले में अपना देश निर्विवाद रूप से अव्वल है और हम दुनिया की जरूरतों की 60 फीसद से ज्यादा वैक्सीन की आपूर्ति भी करते हैं। कोरोना संक्रमण के इस कठिन दौर में भी भारतीय वैक्सीन दुनिया के लिए बड़े संबल के रूप में सामने आई हैं। यही नहीं वैक्सीन को लगाने के लिए जरूरी सिरिंज के उत्पादन में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और दुनिया हमें आशाभरी नजरों से देख रही है।

अच्छी गुणवत्ता बेहद जरूरी-टीकाकरण के लिए उपयुक्त सिरिंज का चुनाव बेहद जरूरी है। गलत सिरिंज के कारण जापान में फाइजर-बायोएनटेक की लाखों खुराक बर्बाद हो गई। यूरोपीय यूनियन को भी वैसी सिरिंज की तलाश है, जिससे फाइजर की वैक्सीन की पूरी खुराक का इस्तेमाल किया जा सके। इसके मद्देनजर भारतीय कंपनियां 0.3 से 0.5 एमएल वाली विभिन्न प्रकार की सिरिंज का निर्माण कर रही हैं। इनमें ऑटो डिसेबल से लेकर डिस्पोजेबल सिरिंज तक शामिल हैं।

1,000 करोड़ सिरिंज की जरूरत-विशेषज्ञों के अनुसार, दुनिया की 60 फीसद आबादी को कोरोना वैक्सीन लगाने के लिए 800-1,000 करोड़ सिरिंज की जरूरत है। दुनिया की सबसे बड़ी सिरिंज निर्माता कंपनियों में शुमार हिंदुस्तान सिरिंज एंड मेडिकल डिवाइसेज व इस्कॉन सर्जिकल भारतीय हैं। ऐसे में भारत से दुनिया की उम्मीदें स्वभाविक हो जाती हैं।

भारत के लिए बड़ा अवसर-कोरोना काल से पहले भारत 200 करोड़ सिरिंज का निर्यात करता था, जबकि 400 करोड़ सिरिंज चीन से मंगवाता था। ऐसा कस्टम ड्यूटी व कम कीमत के कारण किया जाता था। अमेरिका व चीन दुनियाभर में सिरिंज के बड़े उत्पादक हैं। चीन ने सिरिंज की कीमत में 20-40 फीसद का इजाफा कर दिया है, जबकि अमेरिकी अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति में व्यस्त है। ऐसे में अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाकर दुनिया की जरूरतों की पूर्ति के लिए यह भारत के पास बड़ा अवसर है।

लखनऊ, वाराणसी और कानपुर के बाद अब इस शहर में लगा नाइट कर्फ्यू

प्रयागराज। यूपी में कोरोना के तेजी से बढ़ते मामलों को देखते हुए लखनऊ, वाराणसी और कानपुर में गुरुवार रात से नाइट कर्फ्यू लगाने की घोषणा कर दी गई है। इसको देखते हुए प्रयागराज जिला प्रशासन ने शहर में नाइट कर्फ्यू लगाने का निर्णय लिया है।

रात 10 बजे से सुबह आठ बजे तक कर्फ्यू रहेगा। आवश्यक सेवाओं को प्रशासन ने रात में भी बहाल रखने का निर्णय लिया है। इस दौरान बेवजह किसी को घर

से बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

कोरोना संक्रमण पूरे प्रदेश में बढ़ रहा है। बढ़ते संक्रमण को देखते हुए प्रदेश सरकार ने नाइट कर्फ्यू का निर्णय जिलाधिकारियों पर छोड़ दिया था। इसे देखते हुए डीएम भानु चंद्र गोस्वामी ने बुधवार शाम अफसरों की बैठक बुलाई। बैठक के बाद तय हुआ कि रात में कर्फ्यू अनिवार्य है। क्योंकि इस वक्त इससे संक्रमण फैल सकता है। ऐसे में रात 10 बजे से सुबह 8 बजे तक कर्फ्यू लगाने का निर्णय लिया गया है।

एडीएम सिटी एके कनौजिया ने बताया कि इस दौरान अति आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बाधित नहीं होगी। दूध, दही, जरूरी खाद्यान व दवाओं की वाहन आसानी से प्रवेश कर सकेंगे। अनावश्यक किसी को इस दौरान बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यह भी हुए निर्णय

- बंद कमरे में सामूहिक आयोजन के लिए 50 लोग या अधिकतम 100 लोगों की अनुमति दी जाएगी।
- खुले मैदान में 200 से अधिक लोग किसी सार्वजनिक आयोजन में मौजूद नहीं होंगे।
- कक्षा 1 से 12 तक के सभी स्कूल पूरी तरह से बंद होंगे, कक्षाओं का संचालन ऑनलाइन होगा।
- रात में ट्रेन से आने वाले यात्री अपने टिकट को दिखाकर ही आगे सड़क पर सफर करे सकेंगे।

महाराष्ट्र के पनवेल, सतारा में थमा वैक्सीनेशन, पुणे में 109 सेंटर हुए बंद, केंद्र बोला- राजनीति है

नई दिल्ली। देशभर में लगातार बढ़ रहे कोरोना वायरस के मामलों के बीच महाराष्ट्र और केंद्र सरकार के बीच %वैक्सीन पॉलिटिक्स% जारी है। एक तरफ महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री का कहना है कि राज्य में कोरोना टीके की किल्लत हो गई है तो वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन ने इन आरोपों को बेबुनियाद और बकवास करार दिया है। हालांकि, इन सब के बीच महाराष्ट्र के पनवेल में नगर निगम ने आधिकारिक सूचना जारी कर यह बताया है कि वैक्सीन उपलब्ध न होने के कारण वैक्सीनेशन को रोका जा रहा है। दूसरी तरफ, पुणे में भी टीके की कमी के चलते 109 टीकाकरण केंद्रों को बंद कर दिया गया है। हालांकि, वैक्सीन की कमी के पीछे एक सबसे बड़ी वजह यह भी है कि बीते कुछ दिनों में महाराष्ट्र ने टीकाकरण बढ़ा दिया है।

पुणे में 109 टीकाकरण हुए बंद?

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले यह दावा किया है कि पुणे जिले में बुधवार को वैक्सीन का स्टॉक न होने की वजह से 109 केंद्र बंद रहे। उन्होंने यह भी कहा पुणे के 391 केंद्रों पर बुधवार को

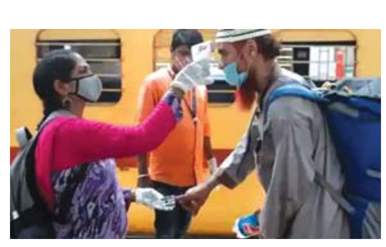

कपल 55 हजार 539 लोगों को टीका दिया गया लेकिन हजारों लोगों को बिना टीक लिए ही वापस लौटना पड़ा क्योंकि स्टॉक खत्म हो गया था।

सतारा में भी रुका टीकाकरण!

बुधवार देर रात महाराष्ट्र के सतारा में भी टीके की कमी के कारण टीकाकरण को रोक दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभी तक यहां करीब 2.6 लाख लोगों को टीके की पहली खुराक दी जा चुकी है।

केंद्र सरकार का क्या है कहना?

टीके की किल्लत की शिकायत को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्द्धन ने गैर-जिम्मेदाराना बताया है। उन्होंने कहा कि यह बयान लोगों का ध्यान बांटने और उनमें दहशत फैलाने के लिए दिया गया है। डॉ. हर्षवर्द्धन ने महाराष्ट्र पर इस महामारी को लेकर उसकी विफलताएं ढंकने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया। केंद्र सरकार ने चिट्ठी लिखकर यह स्पष्ट किया है कि महाराष्ट्र को 1 करोड़ 6 लाख 19 हजार 190 खुराकें दी गई हैं जिनमें से 90 लाख 53 हजार 523 खुराकों की खपत हुई है। इनमें वे टीके भी शामिल हैं जो बर्बाद ह गए हैं।

क्या कहा था महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री ने?

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने यह दावा किया कि बुधवार को राज्य में कोरोना टीके की सिर्फ 14 लाख खुराके ही बची थीं, जो अगले तीन दिन में खर्च हो जाएंगे। अगर महाराष्ट्र में हर दिन 5 लाख लोगों को टीका दिया जाता है तो वहां हर हफ्ते 40 लाख खुराकें चाहिए। उन्होंने केंद्र स्वास्थ्य मंत्री से कहा कि हमारे कई केंद्रों पर टीका उपलब्ध नहीं है, लोगों को वापस भेजना पड़ रहा है। केंद्र सरकार हमें वैक्सीन भिजवाए। बता दें कि देश में महाराष्ट्र ही ऐसा राज्य है जो कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित है। यहां बुधवार को भी एक दिन में कोरोना वायरस के करीब 60 हजार नए मामले रिपोर्ट हुए थे, जो अब तक की सबसे बड़ी उछाल है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

दोस्ती के द्वीप

कम ही मौके ऐसे आते हैं, जब पाकिस्तान से दोस्ती का कोई मुकम्मल पैगाम आता है। पाकिस्तान में एक कानून लागू हुआ है, जिसके तहत अभिनेता दिलीप कुमार और राज कपूर के पेशावर में मौजूद पुश्तैनी घर संग्रहालय में तब्दील किए जाएंगे। यह फैसला पाकिस्तान की संघीय सरकार का भले न हो, लेकिन खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की सरकार के इस फैसले से पेशावर में दोस्ती के दो जरूरी द्वीप तो बन जाएंगे। दशकों से चर्चा चल रही थी, पर अब जाकर इस प्रांतीय सरकार ने अभिनेताओं के पैतृक घर को खरीदने के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू की है। इसमें कोई शक नहीं कि यह काम पाकिस्तान की संघीय सरकार को अपने स्तर पर पहले ही कर लेना चाहिए था, पर देर से ही सही इस ऐतिहासिक काम को अंजाम देना न केवल पाकिस्तान, बल्कि पूरी दुनिया में फैले राज कपूर व दिलीप कुमार के प्रशंसकों के लिए उपहार सरीखा होगा। ये दोनों कलाकार ऐसे थे, जिनका दिल अपनी जन्मभूमि पेशावर के लिए भी धड़कता था। ऋषि कपूर ने अपनी आत्मकथा में लिखा है, राज कपूर जब अंतिम सांसें ले रहे थे, तब दिलीप कुमार उनसे मिलने आए। भावुकता से भरे उन पलों में दिलीप कुमार ने राज कपूर की हथेलियों को थामकर कहा था, 'उठ जा राज, मैं अभी पेशावर से आया हूं, मैंने सुस्वाद चपली कबाब का आनंद लिया है, जो हम दोनों खाया करते थे, जब हम बच्चे थे। अब उठ जा, हम दोनों साथ जाएंगे और चपली कबाब खाएंगे।' राज कपूर नहीं उठ पाए और वयोवृद्ध दिलीप कुमार के ख्यालों में अभी भी पेशावर का वह मकान जरूर उमड़ता होगा। बेशक, बस पांच मिनट की दूरी पर खड़े वे दोनों मकान अपने आप में मुकाम हैं, जिन्हें सहेजकर रखना पाकिस्तान के लिए गर्व की बात होनी चाहिए। विरासत केवल विरासत है, हिंदू या मुस्लिम नहीं। पाकिस्तान अपनी विरासत सहेजकर दुनिया को बता सकता है कि उसके यहां हिंदुओं और मुस्लिमों में कैसा भाईचारा था। उस भाईचारे के बीच से ही भारतीय सिनेमा के दो कद्दावर सितारे उभरे और अपनी चमक से सबको चकाचौंध कर दिया। ये दो ऐसे सितारे हैं, जो दुनिया के एक सबसे विशाल फिल्म उद्योग की बुनियाद हैं। इनकी जन्मस्थलियों को सहेजकर पाकिस्तान अपने आकर्षण में चार चांद ही लगाएगा। धन्य है खैबर पख्तूनख्वा की सरकार, जिसने अपने प्रांत के भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 1894 को लागू किया है, जो उसे इन दोनों हवेलियों पर कब्जे का हक देता है। आगे की प्रक्रिया संकीर्णताओं में न उलझे, अदालतों में जाकर न अटके, यह प्रांत की सरकार को सुनिश्चित करना होगा। पाकिस्तान की जमीन पग-पग पर प्राचीन इतिहास संजोए हुए है, वहां भगत सिंह स्मारक और चौक के लिए लगातार संघर्ष जारी है। महाराजा रंजीत सिंह और न जाने कितनी विरासतों को संवारने के लिए संघर्ष चल रहे हैं। अगर वहां राज कपूर और दिलीप कुमार की हवेलियों को संग्रहालय बनाने में कामयाबी मिलती है, तो इससे उन लोगों का मनोबल बढ़ेगा, जो भारत-पाकिस्तान की साझा विरासत को बचाने के लिए दिन-रात एक किए हुए हैं। बॉलीवुड को भी यह सोचना चाहिए कि पेशावर की विरासतों को सहेजने के लिए वह कैसे मदद कर सकता है। खून-खराबे के शौकीन चाहे जो साजिशें रचें, सामाजिक स्तर पर दोस्ती व विरासत संजोने की ऐसी कोशिशें जारी रहनी चाहिए।

आज के ट्वीट

धमाका

खिड़की से रुकता है, झोंका कहीं हवा का,
हिल जाएँ दीवारें ऐसा करो धमाका।

-- विवेक बिन्द्रा

कृषि आय बढ़ाने में विफल मुक्त बाजार

देविंदर शर्मा

ऐसे समय पर जब आमतौर माना जाता है कि मुक्त बाजार व्यवस्था से कृषि उत्पादों को ज्यादा भाव मिल पाता है, जिससे किसानों की आमदनी बढ़ती है, इस पर यकीन करना कल्पना से परे है। कनाडा में वर्ष 2017 में गेहूं का जो भाव मिला, वह 150 साल पहले 1867 में लगी कीमत से कहीं कम था। यह बात केवल कनाडा पर ही लागू नहीं है बल्कि मीडिया खबरों के मुताबिक अमेरिका में भी किसानों का कहना है कि गेहूं की जो कीमत आज उन्हें मिल रही है, वह उस मूल्य से कहीं कम है जो वर्ष 1865 में खत्म हुए 4 वर्षीय गृहयुद्ध के समय मिला करती थी। तो क्या इसे बाजार व्यवस्था की कार्यदक्षता कहें? आखिरकार गेहूं एक आम आदमी की रोजमर्रा की खुराक है और पिछले 150 सालों में विश्व की जनसंख्या में जो इजाफा हुआ है, उससे इसकी मांग और उपज में कल्पनातीत वृद्धि हुई है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन के मुताबिक गेहूं का उत्पादन वर्ष 2020-21 में 78 करोड़ टन होने का अनुमान है, जो पिछले साल से 75 लाख टन ज्यादा होगा। खाद्य एवं कृषि संगठन के अनुसार आज दुनिया जिस किस्म की खाद्य असुरक्षा का सामना कर रही है, उससे गेहूं सहित अन्य अनाजों का उत्पादन अधिक रहने का अनुमान होना सकारात्मक संकेत है। अब इससे पहले कि आपको हैरानी हो कि जब हमें स्कूल-कॉलेजों में अर्थशास्त्र के पाठ्यक्रम में यह पढ़ाया जाता है कि मुक्त बाजार व्यवस्था उत्पाद का न्यायोचित मूल्य मिलने का अवसर मुहैया करवाती है तो फिर यह कृषि क्षेत्र के लिए क्यों सही नहीं बैठती। इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रीय किसान संघ (एनएफयू) की पड़ताल बताती है कि वर्ष 1965 के बाद से मूंगफली की निरंतर गिरती कीमतों ने 4 में से 3 किसानों को इसकी खेती से तौबा करवा डाली है। वह भी तब, जब खपत में वृद्धि लगातार होती रही। आपूर्ति-मांग के स्वर्णिम सिद्धांत को गलत ठहराते हुए मूंगफली का मूल्य वर्ष 1965 में 1 डॉलर प्रति पाउंड था, वह साल 2020 में घटकर 0.25 डॉलर प्रति पांउड रह गया, यह गिरावट 75 फीसदी है। और यदि आप अब भी यह सोच रहे हैं कि ऐसा फालतू उत्पादन की वजह है तो वाशिंगटन पोस्ट अखबार की खबर बताती है कि किस तरह देश का पूरा मूंगफली बाजार केवल 3 कंपनियों के कब्जे में है, असल में खरीद मूल्य वही तय करती हैं। 12000 मूंगफली उत्पादक किसानों द्वारा दायर किए गए मुकदमे के बाद आखिरकार इन कंपनियों ने जानबूझकर कम भाव लगाने का दोषी पाने जाने के बाद 10.3 करोड़ डॉलर इन उत्पादकों को देना माना था। मूंगफली कोई एक अपवाद नहीं है। मंडी नियंताओं में इस तरह का मैच-फिक्सिंग वाला खेल दशकों से जारी है, फिर चाहे वह अमेरिका हो या यूरोप या फिर भारत। किसान यह जान लें कि मैच पहले से फिक्स किया जा चुका होता है। यह अकारण नहीं है कि मुद्रास्फीति को शामिल कर गणना उपरांत पता चलता है कि कृषि उत्पादों का भाव सालों से कमोबेश या तो एक जगह पर स्थिर है या फिर नीचे की ओर जा रहा है। गेहूं-भाव के विषय की ओर वापस आते हैं। एक कनाडाई लेखक एवं आलोचक डारिन क्वालमैन ने अपने ब्लॉग में विचारोत्तेजक लेखों की लड़ी में खुलासा किया कि वर्ष 1867 के बाद से कृषि उत्पाद के भाव में गिरावट बेतरह हुई है। मुद्रास्फीति को जोड़ने के बाद गणना करें तो गेहूं की कीमत वर्ष 1867 में लगभग 30 डॉलर प्रति बुशेल (27 किलो) थी। लेकिन उसके बाद गेहूं का औसत भाव लगातार इस कदर गिरा मानो स्की स्लोप पर फिसला हो। वर्ष 1980 के दशक के मध्य में जब दुनियाभर में ध्यान कृषि उत्पादों के निर्यात करने पर ज्यादा होने लगा तो भाव में और गिरावट आई। वर्ष 2017 में गेहूं की कीमत प्रति बुशेल मात्र 5 डॉलर के आसपास लगी थी। हकीकत यह है कि एक कनाडाई किसान के परदादा ने 150 साल पहले गेहूं को जिस मूल्य पर बेचा था, आज उसका भाव 25 डॉलर कम लग रहा है। कोई हैरानी नहीं कि जहां छोटे किसान बड़ी संख्या में खेती छोड़ गए हैं वहीं कनाडा में बड़े फार्मों का औसत रकबा कई गुणा बढ़कर 3000 एकड़ पहुंच गया है। ऐसे में जब कृषकों की संख्या में काफी कमी आई है तो मुक्त बाजार व्यवस्था का समर्थन करने वाले अर्थशास्त्रियों का वह सिद्धांत भी गलत साबित हुआ है जब कहा जाता है कि किसानों की संख्या घटने का मतलब है बाकियों की कृषि आय में वृद्धि होना। अकेले अमेरिका में पिछले 100 सालों से कम समय में 50 लाख खेत बड़े फार्मों में विलीन हो चुके हैं तो वहीं ऑस्ट्रेलिया में वर्ष 1980-2002 के बीच 25 फीसदी छोटे खेत नहीं रहे। हालांकि अब भी यही अर्थशास्त्री कहेंगे कि यह स्वस्थ घटनाक्रम है और कृषि को मुनाफादायक बनाएगा। लेकिन हैरानकुन यह कि पिछले समय से जिस तेजी से दुनियाभर में किसान खेती से किनारा कर गए हैं, उसके बावजूद बाकी बचे कृषकों की कृषि-आय में बढ़ोतरी नहीं हुई है, इसके उलट कृषि-संबंधी समस्याओं में इजाफा ही हुआ है। यह वही अतार्किक दलील है जिसका प्रतिपादन नीति आयोग यह मानकर कर रहा है कि जब कृषि करने वालों की संख्या में कमी होगी तो बाकी बचे किसानों की आमदनी स्वयमेव बढ़ जाएगी। अगर यह सच में सही है तो कोई समझाए कि फिर कनाडा में कृषि क्षेत्र का ऋण 102 खरब डॉलर से ज्यादा क्यों हो गया है, जो कि वर्ष 2000 से दोगुणा है। इसी तरह अमेरिका में जहां कुल जनसंख्या का महज 1.2 प्रतिशत ही कृषि व्यवसाय में है, वहां कृषि घाटा वर्ष 2020 में 425 खरब डॉलर का कल्पनातीत आंकड़ा क्यों छू गया है? फ्रांस में भी जहां कुल श्रमशक्ति का सिर्फ 7 फीसदी खेती करता है वहां 44 प्रतिशत से ज्यादा किसानों के सिर पर 4 लाख यूरो का ऋण चढ़ा हुआ है और 25 फीसदी कृषक ऐसे हैं, जिनकी आय 350 यूरो प्रतिमाह से कम है और गरीबी रेखा से नीचे आते हैं। बाजार आधारित व्यवस्था ने जहां किसानों को उनके हक का कृषि-मूल्य देने से इनकार किया है वहीं उपभोक्ता को लगातार बढ़ती कीमतें चुकानी पड़ रही हैं। अपने ब्लॉग में एक अन्य पोस्ट में क्वालमैन ने खुलासा किया है कि वर्ष 1975 से कनाडा और अमेरिका में गेहूं की कीमत प्रति बुशेल कमोबेश एक जगह टिकी हुई है, जबकि इस 27 किलो गेहूं से जो लगभग 60 पाउंड डबलरोटी तैयार होती है, उसके औसत मूल्य में 50 डॉलर की वृद्धि हुई है, यह वर्ष 1975 में 25 डॉलर से बढ़कर 2015 में 75 डॉलर हो गई थी। यही बात अन्य खाद्य उत्पादों पर सटीक बैठती है, वहीं विशालकाय खाद्य प्रसंस्करण निर्माता अपने उत्पादों की कीमतें लगातार बढ़ा रहे हैं और खरीदारों का एक बड़ा हिस्सा जुड़ता जा रहा है। ऐसे में खेत में लगने वाले भाव में होती कमी कृषि-दक्षता का पैमाना कैसे हो सकती है? अगर बाजार व्यवस्था कारगर होती तो फिर केवल खाद्य प्रसंस्करण और खुदरा बिक्री करने वाली विशालकाय कंपनियां ही क्यों लगातार मुनाफा बना रही हैं? बाजार व्यवस्था में ऐसा कुछ नहीं है, जिसे पवित्रता की श्रेणी में रखा जाए। यह विश्वास करना कि मुक्त बाजार से किसानों को ज्यादा मूल्य मिलेगा, यह पुरानी पड़ चुकी आर्थिक अवधारणा और पढ़ाई है। पूरी दुनिया में मुक्त बाजार व्यवस्था कृषि आय बढ़ाने में ऐतिहासिक रूप से नाकामयाब सिद्ध हो चुकी है और अर्थशास्त्री इस तथ्य को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। किसी भी कृषि उत्पाद की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम न हो, यह मांग करके आंदोलनकारी किसान वास्तव में आर्थिक नीतियों और सोच में रही ऐतिहासिक भूलें सुधरवाना चाहते हैं। इस लड़ाई के सफल होने का मतलब है व्यावहारिक खेती का भविष्य बचाना और 'सबका साथ... सबका विकास' वाले नये आर्थिक नारे को सच बनाना।

लेखक खाद्य एवं कृषि मामलों के विशेषज्ञ हैं।

ज्ञान गंगा

अनिश्चितता

जग्गी वासुदेव/ यह सच है कि बाहरी दुनिया में कुछ भी निश्चित नहीं है। अनिश्चितता ही चीजों को चुनौतीपूर्ण बनाती है। अनिश्चितता का अर्थ है कि चीजें बदलती रहती हैं; दूसरे शब्दों में कहें तो कहीं कुछ ठहरा नहीं है। आप तेज चल रहे हैं तो आपका हर कदम ऐसी जमीन पर पड़ता है जिसकी आप ठीक तरह से जांच-परख नहीं कर पाए हैं। इसी को आप अनिश्चितता कहते हैं-जो नये अवसर या मौकों की तलाश में हैं, अनिश्चितता का समय उनके लिए सर्वश्रेष्ठ है। बाकी लोग अनिश्चितता को समस्या के रूप में देखते हैं। लेकिन, क्योंकि आप लगातार अपनी मानसिक विवशताओं की प्रतिक्रियाओं में उलझे हुए हैं, तो निश्चिता की इच्छा करते हैं। निश्चिता है तो कोई बदलाव नहीं होगा, है ना? किसी भी व्यवसाय या राजनीतिक या सामाजिक व्यवस्था में बदलाव न होने का मतलब है-कोई परिवर्तन न होना। ऐसी स्थिति में कोई विकास नहीं होता। विकासहीन माहौल में आप ऊब जाएंगे और क्रियाशील माहौल के लिए जरूरी संतुलन आप में है नहीं यानी समस्या माहौल की नहीं, बल्कि आपकी आंतरिक अनिश्चितता की है। आप तभी शांत रह सकते हैं, जब सारी दुनिया बदल जाए-तो यह संभव नहीं है। विकल्प यह है कि हम आप के भीतर परिवर्तन करें। इसका मतलब क्या है? इसका मतलब है कि आप अपनी मानसिक विवशताओं यानी मजबूरियों से छूट जाएं तो आप हर परिस्थिति को अपनी योग्यता अनुसार संभाल लेंगे। हो सकता है कि आप किसी और की तरह कुशल न हों पर आप हर परिस्थिति में अपनी काबिलियत के अनुसार अपनी सबसे बेहतर कोशिश करेंगे, बस। और साथ ही अपनी मानसिक विवशताओं से बेबस होकर हर स्थिति में पीड़ा सहन करने से बच जाएंगे। आपका भीतरी तत्व अपने आप में एक अलग आयाम है। इसे बाहर की परिस्थिति के अनुसार ढाला नहीं जा सकता। 'बाहर निश्चिता है तो मैं इस तरह की भीतरी स्थिति रखूंगा', 'अब बाहर अनिश्चितता है तो मैं दूसरी तरह की भीतरी स्थिति रखूंगा', 'जब मेरे इर्द-गिर्द लोग अच्छे हैं तो मैं इस तरह का अंतरमन रखूंगा', 'जब मेरे इर्द-गिर्द लोग बुरे हैं तो मैं दूसरी तरह का अंतरमन रखूंगा', इस तरह करना संभव नहीं है। भीतरी स्थिति आप निर्धारित नहीं कर सकते। वो बस है। उसे किस प्रकार बनाए रखें? उसे बनाकर नहीं रखा जा सकता। जागरूकता है, तो मानसिक विवशताएं नहीं होंगी।

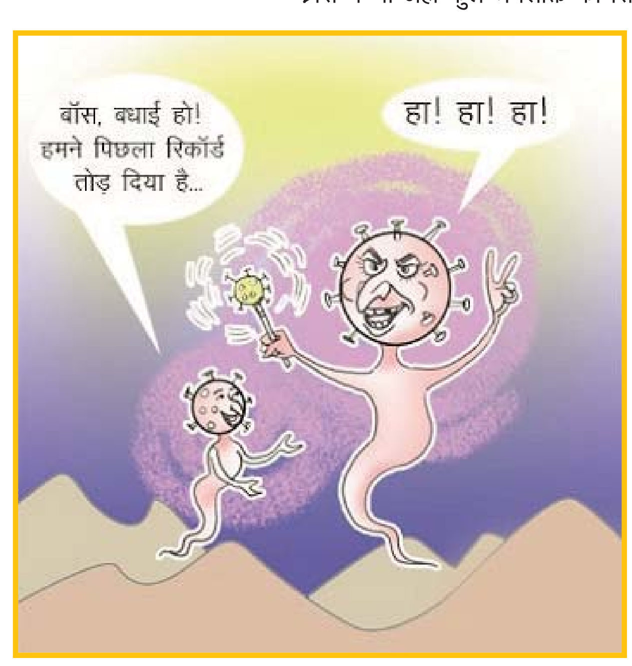

आज का राशिफल

मेष	अर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक उत्सव में हिस्सेदारी लेंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।
वृषभ	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।
मिथुन	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अपने सामान की सुरक्षा के प्रति सचेत रहें। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
कर्क	व्यावसायिक क्षेत्र में व्यवधान आ सकते हैं। भारी व्यय की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के कारण चिंतित रहेंगे।
सिंह	आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
कन्या	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। आर्थिक उन्नति के योग हैं। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
तुला	व्यावसायिक क्षेत्र में व्यवधान आ सकते हैं। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ सकता है। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।
वृश्चिक	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। नए अनुबंध मिलेंगे। नेत्र विकार के प्रति सचेत रहें। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।
धनु	व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।
मकर	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आपके पराक्रम तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
कुम्भ	शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।
मीन	राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

भारत की क्षेत्रीय संतुलन और नेतृत्व की दावेदारी प्रबल हुई

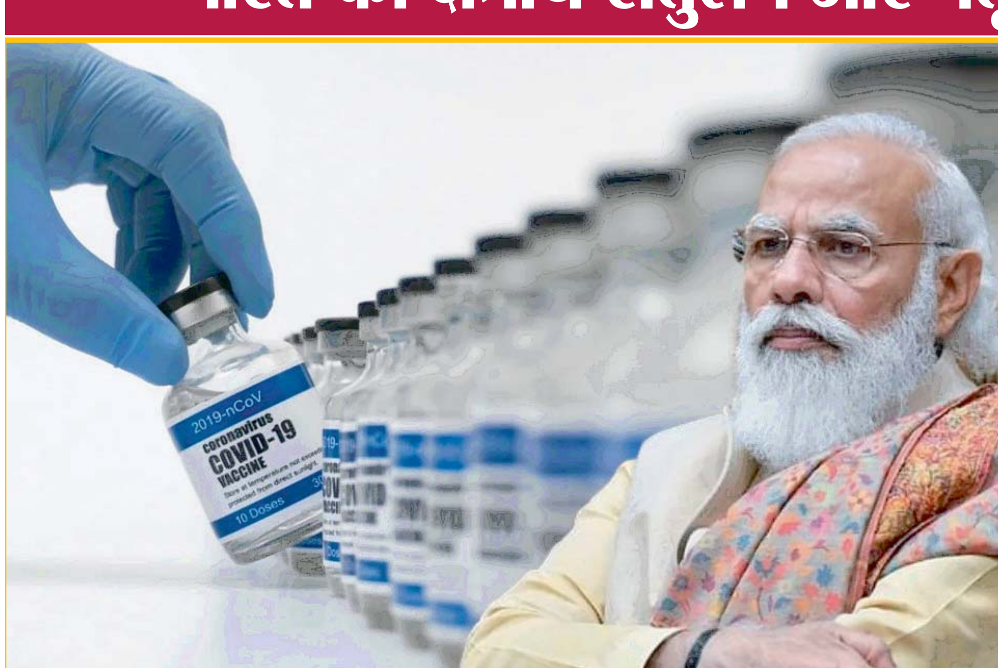

- गिरीश्वर मिश्र

दक्षिण एशिया के देश अपनी निजी समस्याओं में जिस तरह उलझे हुए हैं उससे राजनैतिक स्थिरता और विकास के मोर्चों पर मुश्किलें बढ़ी हैं। करोना महामारी के मुश्किल दौर में इन सभी देशों की आर्थिक गतिविधियाँ बुरी तरह प्रभावित हुईं हैं। ऐसे में क्षेत्रीय राजनीति और वैश्विक भागीदारी की दृष्टि से पूरे क्षेत्र पर संकट के बादल गहरा रहे थे। ऐसे में भारत ने बड़े संयम के साथ स्वास्थ्य, अर्थ, शिक्षा, राजनैतिक प्रक्रिया और व्यवस्था के मामलों में साहस और धैर्य से काम लिया। यह कोशिश बनी रही कि आधार संरचना की व्यवस्था न चरमराए और इसमें काफी हद तक सफलता भी मिली। इसके बावजूद कि आर्थिक चुनौतियां बड़ी थी, देश ने उसका डटकर सामना किया और संतुलन बनाने की कोशिश की। न्याय, स्वास्थ्य और आवागमन नागरिक सेवाओं पर बड़ा दबाव था। धीरे-धीरे इनको शुरू किया गया और इंटरनेट की सहायता से गाड़ी को पटरी पर लाने की कोशिश की गई। सामाजिक जीवन को स्थिर बनाए रखने और चुनाव जैसी आंतरिक राजनीति की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को भी बहुत हद तक सफलतापूर्वक संचालित किया गया। राजनयिक दृष्टि से यह भी महत्वपूर्ण रहा कि वैश्विक नेताओं के साथ सार्थक विचार-विमर्श चलता रहा। चीन के साथ सीमा विवाद की मुश्किल को धैर्य और सावधानी के साथ सुलझाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई। वैश्विक मंचों पर भारत ने स्वास्थ्य और आर्थिक मामलों में अपनी बात गम्भीरता से रखी और उसे महत्व भी दिया गया। यही नहीं कोरोना के गुणवत्ता वाले टीके का अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य मानकों के अनुरूप तेजी से विकास कर सबके सामने एक भारत ने ऐतिहासिक मिसाल क़ायम की। इस पूरे प्रयास में प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत रुचि लेकर कार्यक्रम को गति प्रदान की। कोविड महामारी की लम्बी अवधि में लाकडाउन के दौर आए और सबने मिलकर सामना किया। सरकार जनता के साथ लगातार सम्पर्क में रही और प्रधानमंत्री ने देश को कई बार सम्बोधित किया। महामारी का दंश सबने झेला। काम-धंधे, औद्योगिक उत्पादन, शिक्षा और प्रतिरक्षा आदि के मोर्चे पर ठहराव और बिखराव से निपटने की मुहिम चलती रही। इस बीच व्यापक हित के लिए अनेक जनोपयोगी योजनाओं को भी लागू किया गया। तमाम बंदिशों के बावजूद देश धीमे-धीमे ही सही कदम आगे बढ़ाता रहा। यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि वैश्विक हित में भारत ने आगे बढ़कर करोना का असरदार टीका अनेक देशों को उपलब्ध कराया, विशेष रूप से पड़ोसी देशों को। यह कदम उदारता, सद्भावना और जिम्मेदारी के साथ सहयोग की मिसाल बनकर एक नए राजनयिक वातावरण का सृजन करने वाली घटना हो गई। इसके द्वारा भारत ने अपने सभी पड़ोसी देशों को यह सकारात्मक संदेश दिया है कि आपसी सहयोग से होकर ही प्रगति और उन्नति की राह निकलती है और इसका कोई दूसरा विकल्प नहीं है। पिछले दिनों बांग्लादेश की यात्रा द्वारा भारत के प्रधानमंत्री ने क्षेत्रीय सहयोग और विनिमय का मार्ग प्रशस्त किया है। इतिहास देखें तो पता चलता है कि सीमा, जल और वाणिज्य के तमाम ऐसे मुद्दे हैं जिनको लेकर दोनों देशों के रिश्तों में व्यवधान खड़े होते रहे हैं। भौगोलिक स्थिति कुछ इस तरह की है कि हमें इसपर लगातार नज़र रखनी होगी। कई बार बड़े खट्टे अनुभव भी हुए हैं और मैत्री को धक्का भी लगा। पर पड़ोसी बदले नहीं जा सकते, इन्हें तो विश्वास में लेकर ही आगे बढ़ने वाली गति सम्भव हो पाती है। इन सबको ध्यान में रखकर मोदी जी ने बंगबंधु शेख़ मजीबुर्रहमान के स्मरण के अवसर को यादगार बना दिया। गांधी शांति पुरस्कार से नवाज़ कर और अन्य परियोजनाओं के लिए समर्थन से उन्होंने फैले भ्रमों को तो दूर किया। साथ ही सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण काम किया। मंदिरों में जाकर पूजा-अर्चना तो स्वाभाविक है पर कभी अखंड भारत की अब पराई हो चुकी धरती पर पहुँचना एक दुर्लभ अवसर था। उनके इस कदम से अल्पसंख्यक होते जा रहे भारतीय समुदाय का मनोबल सुदृढ़ हुआ। इन प्रयासों से दोनों देशों के बीच सार्थक संवाद और संचार का अवसर बना है। आशा है इस अवसर को सकारात्मक ढंग से लिया जाएगा। भारत ने गम्भीरता से सहयोग का हाथ आगे बढ़ाया है और आशा है इसका अन्य देशों द्वारा स्वागत किया जाएगा। क्षेत्रीय सद्भाव आज के सामाजिक और भौगोलिक परिवेश में अधिक महत्व का हो रहा है। इस मुहिम की सफलता के लिए लगातार काम करना होगा।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

अमेरिकी प्रतिबंधों से ढील मिलते ही ईरान से तेल खरीदना शुरू करेगा भारत

नयी दिल्ली, ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों से अगर ढील दी जाती है, भारत उसी समय वहां से तेल फिर से खरीदने पर विचार करेगा। इससे भारत को अपने आयात के स्रोत को विविध रूप देने में मदद मिलेगी। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह कहा। ईरान पर अमेरिकी सरकार की पाबंदियों के बाद भारत ने 2019 के मध्य में वहां से तेल आयात रोक दिया। ईरान परमाणु समझौते को दोबारा से पटरी पर लाने के इरादे से अमेरिका और दुनिया के अन्य ताकतवर देशों की विएना में बैठक हो रही है। अधिकारी ने कहा, ''एक बार प्रतिबंध हट जाता है, हम ईरान से तेल आयात पर विचार कर सकते हैं।'' उसने कहा कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियों ने इस संदर्भ में तैयारी शुरू कर दी है और वे प्रतिबंध हटते ही अनुबंध कर सकती हैं। ईरान से तेल आते ही न केवल बाजार में दाम नरम होंगे बल्कि इससे भारत को आयात स्रोत को विविध रूप देने में भी मदद मिलेगी। वित्त वर्ष 2020-21 में इराक भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता रहा। उसके बाद सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का स्थान रहा। नाइजीरिया चौथे तथा अमेरिका का स्थान पांचवां था। अधिकारी ने कहा, ''हम तेल उत्पादक देशों से उत्पादन सीमा हटाकर उत्पादन बढ़ाने की मांग करते रहे हैं...तेल के दाम में वृद्धि भारत समेत दुनिया के आर्थिक पुनरूद्धार के लिये खतरा है।'' अपनी जरूरतों का 85 प्रतिशत से अधिक आयात करता है। भारत एक समय ईरान का दूसरा सबसे बड़ा ग्राहक था। ईरान के कच्चे तेल से कई लाभ हैं। इसमें यात्रा मार्ग छोटा होने से माल ढुलाई लागत में कमी होती है तथा भुगतान के लिये लंबा समय मिलता है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 2018 में ईरान पर पाबंदी लगाये जाने के बाद से वहां से निर्यात घटता चला गया। पाबंदी से भारत समेत कुछ देशों को छूट दी गयी थी, जो 2019 में समाप्त हो गयी।

हीरो मोटोकॉर्प अपने सभी कर्मचारियों को टीका लगवाने का खर्च उठाएंगी

मुंबई, देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन विनिर्माता हीरो मोटोकॉर्प ने गुरुवार को कहा कि वह स्थाई और अस्थाई कर्मचारियों सहित अपने पूरे कार्यबल को कोविड-19 की वैक्सीन लगवाने का पूरा खर्च उठाएगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इसके अलावा समूह की दूसरी कंपनियों हीरो फिनकॉर्प, हीरो फ्यूचर एनर्जीज, रॉकमैन इंडस्ट्रीज, हीरो इलेक्ट्रॉनिक्स और एजी इंडस्ट्रीज के लिए भी इसी तरह का अभियान चलाया जाएगा। बयान के मुताबिक हीरो मोटोकॉर्प अपने डीलरों और आपूर्ति श्रृंखला साझेदारों से इस संबंध में बातचीत कर रही है। कंपनी ने बताया कि इसके तहत पूरे समूह सभी कर्मचारियों और आपूर्ति श्रृंखला साझेदारों सहित कुल 80,000 से अधिक लोगों को वैक्सीन लगाने की योजना है।

पियाजियो अपने सभी कर्मचारियों को टीका लगवाने का खर्च उठाएंगी

मुंबई, ऑटो कंपनी पियाजियो व्हीकल्स ने गुरुवार को कहा कि वह अपने सभी कर्मचारियों, उनके पारिवारिक सदस्यों के अलावा संयंत्रों में काम कर रहे अन्य सभी लोगों को कोविड-19 की वैक्सीन लगवाने का पूरा खर्च उठाएगी। पियाजियो ने यह भी कहा कि उसने महाराष्ट्र के पुणे और बारामती में स्थित अपने विनिर्माण संयंत्रों के लिए एक निजी अस्पताल के साथ भागीदारी भी की है। पियागियो व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ डिएगो ग्रैफी ने कहा, ''इस असाधारण समय में हम अपना समर्थन देने और टीकाकरण की गति बढ़ाने में मदद करने के लिए स्थानीय सरकार के साथ खड़े हैं। हम अपने कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को महामारी के दौरान पूरी सहायता मुहैया कराएंगे।'' इसके अलावा ऑडियो और वीडियो सेवाएं मुहैया कराने वाली कंपनी हरमन इंटरनेशन ने भी भारत में अपने कर्मचारियों और उनके आश्रितों को कोविड-19 की वैक्सीन लगवाने का खर्च वहन करने की बात कही है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के पूर्व स्वामित्व वाली कंपनी ने बताया कि इस घोषणा से उसके 8,400 कर्मचारियों को लाभ होगा।

सरकार की इस योजना से 29 करोड़ लोगों को हुआ फायदा, आप भी उठा सकते हैं लाभ

केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना शुरू की है जिसके तहत लोगों को कारोबार शुरू करने के लिए लोन मिलता है. इस योजना की शुरुआत अप्रैल 2015 में हुई थी. करोड़ों लोगों को इस योजना का लाभ मिल चुका है. पिछले 6 सालों में 28.68 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों को इस योजना के तहत लोन सेंशन किया गया है. मुद्रा योजना के तहत तीन कैटेगरी में लोन दिए जाते हैं, जिसमें शिशु लोन, किशोर लोन और तरुण लोन शामिल है. शिशु लोन के तहत 50,000 रुपये तक का कर्ज दिया जाता है. किशोर लोन के तहत 50,000 से 5 लाख रुपये तक का लोन ले सकते हैं. जबकि तरुण के तहत आपको 5 लाख से 10 लाख रुपये तक का कर्ज मिलता है. प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत मिलने वाले लोन पर ब्याज दर निश्चित नहीं है. विभिन्न बैंक मुद्रा लोन के लिए अलग-अलग ब्याज दर बसूलते हैं.

ऐसे करें आवेदन

लोन के लिए आवेदन करने के लिए आपको बैंक की शाखा में आवेदन देना पड़ता है. अगर आप खुद का कारोबार शुरू करना चाहते हैं तो आपको मकान के मालिकाना हक या किराए के दस्तावेज, काम से जुड़ी जानकारी, पैन नंबर, आधार आदि दस्तावेज जमा करने होते हैं.

इन दस्तावेजों की होगी जरूरत

कोई भी भारतीय नागरिक लोन के लिए आवेदन कर सकता है. एसबीआई मुद्रा लोन लेने के लिए आपको पहचान पत्र, निवास प्रमाण, बैंक स्टेटमेंट, फोटोग्राफ, बिक्री दस्तावेज, प्राइस कोटेशन्स बिज़नसढ्ढष्ठ और पता प्रमाण पत्र की जरूरत होती है. इसके अलावा जीएसटी आईडेंटिफिकेशन नंबर, इनकम टैक्स रिटर्न आदि की जानकारी देनी होती है.

लगातार चौथे सत्र में रुपये में हानि, डॉलर के मुकाबले 11 पैसे टूटकर 74.58 रुपये पर बंद

मुंबई.

देश में कोविड-19 महामारी के तेजी से फैलने की वजह से आर्थिक सुधार के प्रभावित होने की आशंकाओं के बीच विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में बृहस्पतिवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 11 पैसे गिरकर 74.58 (अनंतिम) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अन्तरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में, डॉलर के मुकाबले रुपया 74.38 पर खुला और कारोबार के दौरान 74.19 से 74.93 रुपये के बीच रहा। अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया अपने पिछले बंद भाव 74.47 रुपये के मुकाबले 11 पैसे की हानि दर्शाता 74.58 प्रति डालर पर बंद हुआ। बुधवार को रुपया, 20 माह के दौरान दिन के कारोबार में 105 पैसे की सर्वाधिक गिरावट के साथ बंद हुआ था। इस बीच, विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला, डॉलर सूचकांक, 0.06 प्रतिशत घटकर 92.39 रह गया। वैश्विक मानक माने जाने वाले, ब्रेंट क्रूड वायदा 0.51 फीसदी की गिरावट के साथ 62.84 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर चल रहा था। बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक 84.45 अंकों की तेजी के साथ 49,746.21 अंक हो गया।

मार्च में नियुक्ति गतिविधियां बढ़ी, आईटी-साफ्टवेयर, खुदरा क्षेत्र : रिपोर्ट

मुंबई,

आईटी- साफ्टवेयर और खुदरा क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ने की बदौलत मार्च माह में इससे पिछले महीने के मुकाबले नियुक्ति गतिविधियों में मामूली वृद्धि दर्ज की गई। फरवरी के 2,356 के मुकाबले मार्च 2021 में नौकरियों के विज्ञापन 2,436 दिखे। नौकरी जॉबस्पीक्स इंडेक्स की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक डिजिटल बदलाव की लहर में सूचना प्रौद्योगिकी- साफ्टवेयर क्षेत्र लगातार इससे बचा हुआ है और इसमें मार्च के दौरान नियुक्तियों में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कोरोना वायरस महामारी के कारण खुदरा क्षेत्र पर बुरा प्रभाव पड़ा है। यह क्षेत्र भी फिर से उबरने की राह पर है जिसके तहत माह दर माह नियुक्तियों में पिछले महीने 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई। नौकरी जॉबस्पीक एक मासिक सूचकांक है जो कि नौकरी डॉट कॉम वेबसाइट पर डाली जानी वाली नौकरियों के आधार पर नियुक्ति गतिविधियों की गणना करता है और उन्हें रिकार्ड करता है। अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों तेल एवं गैस में सात प्रतिशत, अकाउंटिंग..कराधान वित्त में छह प्रतिशत और दूरसंचार आईएसपी में नियुक्ति गतिविधियों में फरवरी के मुकाबले पांच प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। वहीं दूसरी तरफ बीपीओ..आईटीईएस और बीएफएसआई में एक प्रतिशत की सामान्य स्थिति रही। कोविड- 19 की दूसरी लहर को देखते हुये शिक्षा, अध्यापन क्षेत्र में मार्च महीने में नियुक्तियों में 13 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं त्वरित उपभोग वाले सामानों (एफएमसीजी) में 10 प्रतिशत और होटल, एयरलाइंस, यात्रा क्षेत्र में आठ प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई। देश के सभी छह महानगरों और दूसरी श्रेणी के प्रमुख शहरों में मार्च के महीने में माह-दर- माह आधार पर नियुक्तियों में वृद्धि हुई। लेकिन इसमें कोलकाता, वड़ोदरा में क्रमश तीन और दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं दूसरी श्रेणी के शहरों में अहमदाबाद में मार्च में सबसे ज्यादा 13 प्रतिशत वृद्धि की गई।

कोरोना संकट के बीच बुरी खबर, 90% के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा भारत का कर्ज-GDP अनुपात

बिजनेस डेस्क।

अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक कोष ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान भारत का ऋण-जीडीपी अनुपात 74 प्रतिशत से बढ़कर 90 प्रतिशत हो गया और उम्मीद जताई की आर्थिक सुधार के साथ ही ये घटकर 80 प्रतिशत पर आ जाएगा। आईएफएफ के राजकोषीय मामलों के विभाग के उप निदेशक पाओलो मौरो ने कहा, कि भारत के मामले में, महामारी से पहले 2019 के अंत में ऋण अनुपात सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 74 प्रतिशत था, और 2020 के अंत में ये बढ़कर जीडीपी का लगभग 90 प्रतिशत हो गया है।

अर्थव्यवस्था में सुधार की उम्मीद

पाओलो मौरो ने कहा कि यह बहुत बड़ी वृद्धि है, लेकिन दूसरे उभरते बाजारों और उन्नत अर्थव्यवस्थाओं ने भी ऐसा ही अनुभव किया है।%% उन्होंने आगे कहा कि भारत के मामले में हमें उम्मीद है कि अर्थव्यवस्था में सुधार के साथ ऋण अनुपात धीरे-धीरे नीचे आएगा। मध्यम अवधि में स्वस्थ आर्थिक वृद्धि के साथ ये घटकर 80 प्रतिशत के स्तर तक आ सकता है।%% एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सबसे पहली प्राथमिकता लोगों और कंपनियों के लिए मदद जारी रखने की है, और खासतौर से सबसे कमजोर लोगों की मदद करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

सबसे बड़ी वैश्विक मंदी से जूझ रही दुनिया

मौरो ने उम्मीद जताई कि अगले साल भारत के आम बजट में घाटे को कम करने की कोशिश देखने को मिल सकती है। इसबीच आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि दुनिया दूसरे विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ी वैश्विक मंदी से जूझ रही है। उन्होंने बुधवार को आईएमएफ और विश्व बैंक की वार्षिक की शुरुआत में कहा कि आगे हालात बेहतर होने की उम्मीद है, क्योंकि लाखों लोगों को टीकाकरण और नीतिगत समर्थन से फायदा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में कई असाधारण और मिलेजुले कदम उठाए गए।

वैश्विक मंदी तीन गुना बदतर

जार्जिवा ने कहा कि इन राजकोषीय और मौद्रिक उपायों के बिना पिछले साल की वैश्विक मंदी तीन गुना बदतर हो सकती थी। उन्होंने कहा, ''हमारे पास एक अच्छी खबर है कि सुरंग के अंत में रोशनी दिख रही है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ी वैश्विक मंदी की भरपाई हो रही है। जैसा कि आप जानते हैं, कल हमने अपने वैश्विक वृद्धि पूर्वानुमान को छह प्रतिशत तक बढ़ा दिया था।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी, धातु, आईटी कंपनियों के शेयर चमके

मुंबई,

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बाजार में बृहस्पतिवार को लगातार तीसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 84 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। देश में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामले तथा इसकी रोकथाम के लिये देश के कई भागों में लगायी गयी पाबंदियों के कारण निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। कारोबारियों के अनुसार रुपये की विनिमय दर में गिरावट की प्रवृत्ति का भी जोखिम धारणा पर असर पड़ रहा है। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में तेजी आयी और यह 84.45 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 49,746.21 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 54.75 अंक यानी 0.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ 14,873.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक लाभ में अल्ट्राटेक सीमेंट रहा। इसमें 4.24 प्रतिशत की तेजी आयी। इसके अलावा, टाइटन, टेक महिंद्रा, नेस्ले इंडिया, टीसीएस, बजाज फिनसर्व और एल एंड टी में भी अच्छी तेजी रही। दूसरी तरफ, जिन शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें इंडसइंड बैंक, ओएनजीसी, सन फार्मा, एचडीएफसी बैंक तथा एक्सिस बैंक शामिल हैं। इनमें 1.07 प्रतिशत तक की गिरावट आयी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''घरेलू बाजार में तेजी जारी है। इसे मौद्रिक नीति में नरम रुख से समर्थन मिला। हालांकि दोपहर कारोबार में बैंक शेयरों में बिकवाली के कारण इसमें कुछ सुधार देखने को मिला।'' उन्होंने कहा, ''धातु कंपनियों के शेयरों ने क्षेत्र के अन्य शेयरों की तेजी की अगुवाई की। स्टील के दाम और उत्पादन में तेजी से इसे समर्थन मिला। चौथी तिमाही के परिणाम का समय शुरू हो गया है और बाजार आने वाले दिनों में शेयर केंद्रित तेजी की उम्मीद कर रहा है....।'' रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति मामलों के प्रमुख विनोद मोदी ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में कारोबार के दौरान ज्यादातर समय तेजी रही, लेकिन बाद में तेजी कम हुई। कोविड-19 के बढ़ते मामले निवेशकों की धारणा को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''वित्त वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही में कंपनियों की आय बेहतर रहने की उम्मीद तथा डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में गिरावट से निवेशक आईटी कंपनियों के शेयरों की ओर आकर्षित हो रहे हैं।'' अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति बैठक का ब्योरा आने के बाद वैश्विक बाजारों में तेजी बनी रही। इसमें नरम रुख की बात दोहरायी गयी है। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, हांगकांग और सोल बढ़त के साथ बंद हुए जबकि तोक्यो में गिरावट रही। यूरोपीय बाजार शुरूआती कारोबार में लाभ में रहे। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 62.88 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 11 पैसे टूटकर 74.58 पर बंद हुआ।

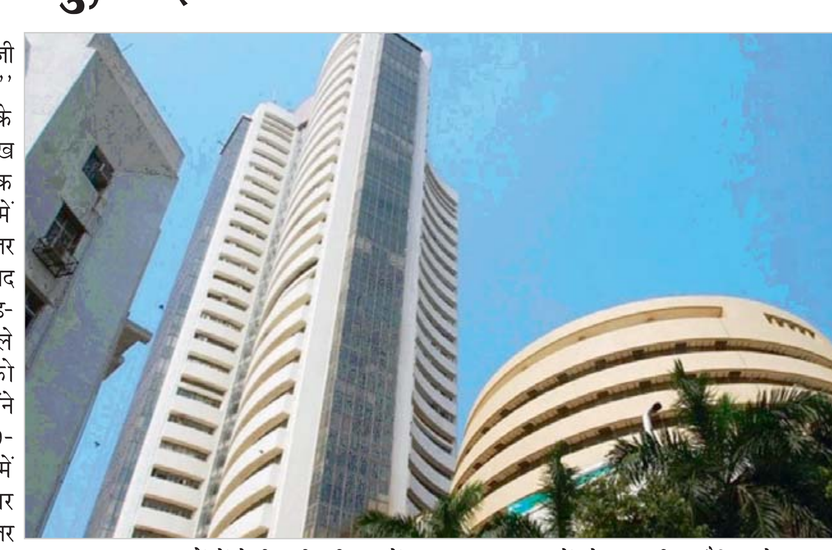

पोस्ट ऑफिस की इस स्कीम से होगी कमाई, 1500 रुपए के मंथली निवेश से मिलेगा 96,390 रुपए

अपने पैसों को हर कोई बिना जोखिम वाली जगह पर निवेश करना चाहता है और अच्छा रिटर्न प्राप्त करना चाहता है. अगर आप भी अपने पैसे को कहीं निवेश करने की सोच रहे हैं तो पोस्ट ऑफिस की रेकरिंग डिपॉजिट स्कीम आपके लिए बढ़िया साबित हो सकती है. आपको इस पॉलिसी पर 7.10 फ़ीसदी का ब्याज मिलता है. अगर आप हर महीने इस पॉलिसी में 1500 रुपए जमा करते हैं तो आपको 1 साल में 1278 रुपए का ब्याज मिलता है. मतलब साल का ₹18,000 जमा करने पर आपका पैसा ₹19,278 हो जाएगा. अगर आप इस पॉलिसी में 5 साल के लिए अपना पैसा लगाते हैं तो आपका फंड 19278 रुपए के हिसाब कुल 96,390 रुपए का हो जाएगा. स्कीम का फायदा उठाने के लिए हर महीने एक तय तिथि पर पैसा जमा करना होगा. आप महीने की 1 से 15 तारीख तक पैसा जमा कर सकते हैं.

कैसे जमा कर सकते हैं पैसा

भारतीय डाक विभाग के देशभर में फैले 1.5 लाख पोस्ट ऑफिस कई प्रकार की बैंकिंग और रेमिटेंस सेवाएं भी प्रदान करते हैं. जहां अलग अलग स्कीम पर अलग रिटर्न मिलता है. इन जगहों पर आप अपना पैसा जमा करा सकते हैं. ये सरकारी स्कीम होने के कारण यहां आपका पैसा पूरी तरह सुरक्षित होता है.

23,000 रुपये की पेंशन पाने के लिए जमा करें बस 3 लाख, 10 साल बाद यह रकम भी मिल जाएगी वापस

अगर आप रिटायरमेंट के बाद अपने भविष्य को सुरक्षित करना चाहते हैं तो आपको पहले से ही पूरी प्लानिंग कर लेनी चाहिए. बुजुर्गों के लिए मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री व्यय वंदना योजना शुरू की है जिसका फायदा 31 मार्च 2030 तक उठा सकते हैं. यह स्कीम 10 सालों के लिए होती है जिसमें एंट्री की न्यूनतम उम्र सीमा 60 साल है. इस योजना के तहत महीनेवारी, तिमाही, छमाही और सालाना आधार पर पेंशन मिलती है. मिनिमम पेंशन ₹1000 महीना और ₹12,000 सालाना होगी. जबकि अधिकतम पेंशन ₹9250 महीना और 1.11 लाख सालाना होगी. अगर आपको ₹1000 महीने की पेंशन चाहिए तो आपको कम से कम 1.62 लाख रुपए जमा कर देंगे. आपको सालाना 1.11 लाख की पेंशन चाहिए तो आपको 14.50 रुपए जमा करने होंगे.

अगर पेशनर 10 साल तक जीवित रहता है तो उसे लगातार पेंशन मिलती रहेगी. अगर इस दौरान उसकी मौत हो जाती है तो पर्चेज प्राइस मनी को वापस कर दिया जाता है. इतना ही नहीं अगर पेशनर 10 साल तक जीवित रहता है और पॉलिसी मैच्योर हो जाती है तो पर्चेज प्राइस मनी को वापस कर दिया जाता है.

अगर किसी पॉलिसीहोल्डर को पॉलिसी पसंद नहीं आती तो वह 15 दिनों के भीतर इस पॉलिसी को रिटर्न कर सकता है. अगर ऑनलाइन पॉलिसी खरीदा है तो 30 दिनों का समय मिलेगा.

वनप्लस9 प्रो में ओवरहिटिंग की समस्या पर शिकायत

वनप्लस9 प्रो में ओवरहिटिंग की समस्या पर शिकायतबीजिंग, 8 अप्रैल (आईएएनएस)। वनप्लस 9 प्रो के कुछ यूजर्स द्वारा ओवरहिटिंग की समस्या को लेकर शिकायत दर्ज कराए जाने की बात सामने आई है। हालांकि कंपनी ने कहा है कि यह एक आम समस्या है। सॉफ्टवेयर अपडेट के माध्यम से अगले कुछ हफ्तों में इसका सामना कर लिया जाएगा।

द वर्ज की रिपोर्ट के मुताबिक, यूजर्स द्वारा दर्ज शिकायत में कहा गया है कि फोटो या वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे हल्के इस्तेमाल में भी चेतावनी देखने को मिल रही है और कुछ मामलों में फोन तब तक फोटो ले पाने में सक्षम नहीं हो पाता है, जब तक वह दोबारा ठंडा नहीं हो जाता है। कुछ के द्वारा शुरुआती सेटअप के बाद या इस दौरान समस्या के देखे जाने की बात कही गई है। एंड्रॉयड पुलिस की रिपोर्ट के मुताबिक, फोन में ओवरहिटिंग की समस्या का देखा जाना आम है। खासकर जब अधिक तापमान वाली किसी जगह में कोई गेम खेलता है या दस मिनट या इससे अधिक लंबी समयावधि का वीडियो रिकॉर्ड करता है, तब फोन ओवरहीट होने लगता है। हालांकि, रिपोर्टों से पता चला है कि वनप्लस 9 प्रो में ऐसा उम्मीद से अधिक होता दिख रहा है और ऐसा संभावित रूप से कम तापमान वाले जगहों में भी होते देखा गया है।

ट्विटर की क्लबहाऊस को खरीदने की कोशिश नाकाम

सैन फ्रांसिस्को।

माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर ने इंवाइट-ओनली ऑडियो चैट ऐप क्लब हाऊस को करीब 400 करोड़ डॉलर में खरीदने का प्रयास किया था, लेकिन आखिरकार बात नहीं बनी। मीडिया रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। टेकक्रंच की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों के बीच यह बातचीत पिछले कई महीनों तक चली, लेकिन फिर बाद में इसे जारी नहीं रखा गया। टेकक्रंच ने ही इस वार्तालाप से परिचित एक सूत्र से दोनों कंपनियों बीच हुई बातचीत के होने की पुष्टि की थी। क्लबहाऊस की बढ़ती लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए कई तकनीकि कंपनियां इसके एक प्रतिद्वंद्वी ऐप पर काम कर रही हैं और ट्विटर ने भी एंड्रॉयड पर स्पेसेस पर काम करना शुरू कर दिया है। ट्विटर का स्पेसेस फिलहाल आईओएस बीटा पर उपलब्ध है, इसे एंड्रॉयड उपकरणों पर लाया जाना अभी बाकी है। फीचर के तहत यूजर्स एक स्पेस का निर्माण कर सकते हैं, जिसमें बातचीत करने के मद्देनजर फॉलोअर्स शामिल हो सकते हैं। ट्विटर पर कोई भी इस हुई बातचीत को सुन सकता है, हालांकि किसे बोलने का मौका मिलेगा इसका कंट्रोल सिर्फ होस्ट के पास होगा। क्लबहाऊस इस वक्त एप्पल ऐप स्टोर पर उपलब्ध है और इसे 80 लाख से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है। कंपनी इसके एंड्रॉयड वर्जन पर काम करने में जुटी हुई है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोविड-19 के कारण फ्रेंच ओपन एक सप्ताह आगे बढ़ा

पेरिस। फ्रेंच टेनिस महासंघ (एफएफटी) ने गुरुवार को एक बयान जारी करते हुए कहा कि कोरोना महामारी के कारण लाल बजरी पर होने वाले ग्रैंड स्लैम इवेंट- फ्रेंच ओपन को एक सप्ताह के लिए टाल दिया गया है। इस क्ले कोर्ट ग्रैंड स्लैम का आयोजन अब 30 मई से 11 जून तक किया जाएगा, जबकि इसके लिए क्वालीफाइंग राउंड 24 से 28 मई तक होंगे। एफएफटी ने कहा कि कोरोनमा के बढ़ते मामलों के मद्देनजर टूर्नामेंट को एक सप्ताह के लिए स्थगित करना सबसे अच्छा समाधान था। इसलिए क्वालीफाइंग राउंड सोमवार 24 से शुक्रवार 28 मई तक आयोजित किए जाएंगे और इसके बाद मुख्य ड्रॉ होगा। एफएफटी ने आगे कहा कि सीमित संख्या में प्रशंसकों को इवेंट के लिए स्टेडियम में आने की अनुमति दी जाएगी।

आईपीएल का पहला मुकाबला आज, मुंबई से भिड़ेगी आरसीबी

मुंबई ।

आईपीएल 14 का आगाज शुक्रवार से होने जा रहा है। पहला मुकाबला मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर बेंगलुरू के बीच होगा। इस महामुकाबले के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली की टीमें पूरी तरह तैयार है। कोरोना महामारी के कारण पिछली बार आईपीएल का आयोजन भारत में नहीं हो पाया था, लेकिन इस बार बीसीसीआई ने सभी नियमों का पालन करते हुए भारत में ही मैच आयोजित करना का फैसला लिया है। जाहिर तौर पर ये मैच दर्शकों के बिना खेले जाएंगे। इस बार ये मैच मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली और कोलकाता में खेले जाएंगे। शुरुआत चेन्नई से हो रही है और फाइनल 30 मई को अहमदाबाद में होगा।

पूरे टूर्नामेंट के दौरान होंगे 10 हजार टेस्ट

कोरोना के बढ़ते प्रकोप के बीच आईपीएल को सफल बनाने के लिए ब्रॉडकॉस्टरों के बायो सिक्योर बबल को काफी लंबा और बेहद कड़ा बनाया गया है। पूरे आईपीएल में अगर क्रिकेटरों के सबसे नजदीक कोई रहेगा तो वह ब्रॉडकॉस्टर टीम होगी। इसी को ध्यान में रखते हुए पूरे टूर्नामेंट में ब्रॉडकॉस्टिंग टीम के 10 हजार से अधिक आरटीपीसीआर टेस्ट कराए जाएंगे। यही नहीं स्टार स्पोर्ट्स के सीईओ संजोग गुप्ता खुलासा करते हैं कि पूरे टूर्नामेंट में ब्रॉडकॉस्टर के एक साथ चार बायो बबल काम करेंगे। किसी को भी हल्का सा सर्दी, जुकाम होने पर भी उसे और उनके संपर्क में आने वालों को एकांतवास में डालने की व्यवस्था की गई है।

साढ़े सात सौ क्रू सदस्य हैं बायो बबल में

संजोग गुप्ता के मुताबिक क्रिकेटरों को छोड़ दें तो साढ़े सात सौ ब्रॉडकॉस्टिंग क्रू सदस्य और कमेंटेटर बायो बबल में इस वक्त हैं। आईपीएल के पहले ×ठ्ठद्धह्यश्च;चरण में चार बायो बबल एक साथ चल रहे हैं। एक चेन्नई में और तीन मुंबई में। चेन्नई, मुंबई के मैचों के बाद अहमदाबाद, दिल्ली इसमें शामिल होंगे। लेकिन मुंबई में दो बबल पूरे टूर्नामेंट चलते रहेंगे। बायो बबल में घुसने से पहले कोविड रिपोर्ट निगेटिव होनी चाहिए। इसके बाद सभी को होटल में सात दिन एकांतवास में रखा गया। यहां सभी के तीन आरटीपीसीआर होंगे। इसके बाद आप बायो बबल में घुसने की अनुमति होगी। सभी के लिए कलर जोन निर्धारित किए गए हैं। जिसके लिए जिस रंग का जोन निर्धारित है वह सिर्फ उसी में रह सकता है। जिससे लोगों का आपस में कम संपर्क हो। अगर बीमारी फैले भी तो ज्यादा लोगों में नहीं फैले।

न्यूजीलैंड टेस्ट टीम में शामिल किए गए रवींद्र, डफी

ऑकलैंड।

ऑलराउंडर रचिन रवींद्र और तेज गेंदबाज जैकब डफी को इंग्लैंड के साथ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम में जगह बना ली है। दोनों पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किए गए हैं। यह जोड़ी और इन-फॉर्म डेवोन कॉनवे 20 सदस्यीय टूरिंग टीम में शामिल अनकैप्ड खिलाड़ी हैं, जिन्हें दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिएम मौका मिला है।इस सीरीज का पहला टेस्ट लॉर्डस में 2 जून से शुरू होगा जबकि एजबेस्टन में दूसरा टेस्ट 10 जून से शुरू होगा। इसके बाद आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए कीवी टीम को साउथैम्पटन में 18 जून से भारत के साथ शुरू होने वाले मुकाबले के लिए आईसीसी नियमों के तहत अपनी टीम को 15 सदस्यीय करना होगा। अगर खेलने के लिए चुने जाते हैं, तो ईश सोढ़ी के बाद रवींद्र न्यूजीलैंड के लिए डेब्यू करने वाले सबसे कम उम्र के टेस्ट खिलाड़ी होंगे। सोढ़ी ने 2013 में बांग्लादेश के खिलाफ 20 साल की उम्र में डेब्यू किया था। न्यूजीलैंड टेस्ट टीम- केन विलियमसन (कप्तान), टॉम ब्लंडेल, ट्रेंट बाउल्ट, डग ब्रेसवेल, डेवन कॉनवे, कॉलिन डी ग्रैंडहोमे, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टॉम लाथम, डेरिल मिशेल, हेनरी निकोल्स, एजाज पटेल, रचिन रविंद्र , मिशेल सेंटनर, टिम साउदी, रॉस टेलर, नील वैगनर, बीजे वाटलिंग (विकेट कीपर), विल यंग।

धोनी ने प्रैक्टिस मैच में दिखाया जलवा

मुंबई।

आईपीएल 2021 में अपना खेल दिखाने को सभी खिलाड़ी बेताब हैं। लेकिन सबसे ज्यादा बेचैन वो खिलाड़ी हैं, जिनको लगता है कि अभी उनका टाइम खत्म नहीं हुआ है। ऐसे ही खिलाड़ी हैं पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी, जिन्हें इस आईपीएल में खुद को साबित करने का मौका मिला है। प्रैक्टिस मैच में धोनी की क्षमता और फिटनेस की झलकी देखी जा सकती है। सीएसके के ट्विटर पर एक वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाड़ी आपस में प्रैक्टिस मैच खेलते नजर आ रहे हैं। इसमें खास तौर पर धोनी और सुरेश रैना के जलवे साफ दिख रहे हैं। प्रैक्टिस मैच के दौरान धोनी ने अपनी शानदार विकेटकीपिंग स्किल का प्रदर्शन करते हुए बल्लेबाज को बड़ी आसानी से स्टंप कर दिया। इस वीडियो में अफगानिस्तान के 20 वर्षीय गेंदबाज फजलहक फारूकी भी अपनी गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशान करते हुए दिख रहे हैं। फजलहक फारूकी को टीम ने नेट गेंदबाज के तौर पर बुलाया है। बता दें कि चेन्नई सुपरकिंग्स का पहला मैच 10 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स की टीम के साथ होगा। इसमें कप्तान धोनी एक बार फिर क्रिकेट के मैदान पर दिखेंगे। इस बार सुरेश रैना भी अपना जलवा दिखानेवाले हैं। पिछले सीजन में टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाई थी।

नौकायन : कुमानन ने रचा इतिहास, हासिल किया ओलंपिक कोटा

मुसाना (ओमान)।

भारत की शीर्ष महिला नाविक नेथ्रा कुमानन ने इतिहास रचते हुए यहां चल रहे मुसाना ओपन चैंपियनशिप के लेसर रेडियल इवेंट में बड़ी बढ़त हासिल कर ओलंपिक कोटा हासिल किया है। कुमानन इसके साथ ही ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली भारत की पहली महिला नौकायन खिलाड़ी बन गई हैं। 22 वर्षीय कुमानन ने 21 अंकों के बढ़त हासिल की। अब उन्हें गुरूवार को पदक के साथ रेस खत्म करनी होगी। कुमानन रेस-9 और रेस-10 में क्रमश- पहले और दूसरे स्थान पर रहीं। कुमानन की करीबी प्रतिद्वंद्वी हांगकांग की स्टेफनी नोर्टन 41 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहीं। कुमानन भारत की महिला नौकायन खिलाड़ी हैं जिन्हंने पिछले साल विश्व कप में 18 नेट अंक लेकर पदक जीता था। चेन्नई स्थित एसआरएम कॉलेज में इंजिनियर की छात्रा कुमानन ने 2014 और 2018 एशियाई खेलों में देश का प्रतिनिधित्व किया था। कुमानन ने बताया कि स्पेन में हंगरी के कोच तामस एस्जेस के साथ कोचिंग करने से काफी कुछ अलग हुआ। कुमानन ने कहा, ग्रैंड केनेरिया में मैंने कई अंतरराष्ट्रीय नाविकों के साथ ट्रेनिंग की जिससे मुझे काफी मदद मिली।

इस बीच, भारत के वरूण ठक्कर और केसी गणपत्ति की जोड़ी 49 एर क्लास में रेस-13, 14 और 15 में क्रमश- चौथे, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहकर शीर्ष पर रही। भारतीय जोड़ी को टोक्यो ओलंपिक में क्वालीफाई करने के लिए गुरूवार को शीर्ष-6 में रहना होगा।

संक्षिप्त समाचार

चैंपियंस लीग : पीएसजी ने बायर्न म्यूनिख को दी शिकस्त

बर्लिन। फुटबाल में बायर्न म्यूनिख को यूएफा चैंपियंस लीग में क्वार्टर फाइनल के पहले चरण के मुकाबले में पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के हाथों 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। डीपीए न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पीएसजी की ओर से काइलियन मबापे ने दो गोल किए और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की। इससे पहले, पीएसजी की ओर से मबापे ने मैच के तीसरे मिनट में ही गोल कर टीम को शूरूआती बढ़त दिलाई। बढ़त लेने के बाद पीएसजी के कप्तान मरक्विंहोस ने 28वें मिनट में गोल कर बढ़त को 2-0 कर दिया। बार्यन म्यूनिख ने हालांकि वापसी की और एरिक मैक्सिम चोउपो मोटिंग ने 37वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया। पहले हॉफ के खत्म होने तक स्कोर 2-1 रहा और पीएसजी ने बढ़त हासिल की। दूसरे हॉफ में बायर्न म्यूनिख की ओर से थॉमस मुलर ने 60वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर बराबरी हासिल कर ली। इसके आठ मिनट बाद ही पीएसजी की ओर से मबापे ने 68वें मिनट में एक और गोल कर टीम को 3-2 की बढ़त दिला दी। अंतिम समय तक पीएसजी ने इस बढ़त को बरकरार रखा और बार्यन म्यूनिख अन्य गोल नहीं कर सका जिससे उसे हार का सामना करना पड़ा।

द. अफ्रीका का सीरीज के दौरान खिलाड़ियों को आईपीएल में भेजना आश्चर्यजनक : अफरीदी

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहीद आफरीदी का कहना है कि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) का अंतरराष्ट्रीय सीरीज के बीच खिलाड़ियों को आईपीएल के लिए खेलने के लिए भेजना आश्चर्यजनक है। पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मैच के बाद दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक, कैगिसो रबादा और एनरिच नॉर्त्जे को आईपीएल में शामिल होने के लिए राष्ट्रीय टीम से जाने की इजाजत दी गई थी। अफरीदी ने ट्वीट कर कहा, यह देखना आश्चर्यजनक है कि सीरीज के बीच में खिलाड़ियों को आईपीएल में खेलने के लिए भेजा रहा है। यह दुखद है कि टी20 लीग अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को प्रभावित कर रही है। इस बारे में दोबारा विचार करना चाहिए। पाकिस्तान ने तीसरा वनडे मुकाबला जीत तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली थी। इसके अलावा न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन, ट्रेंट बोल्ट, काइल जैमिसन और लौकी फर्ग्यूसन की टीमें अगर आईपीएल के फाइनल में पहुंचती है तो ये खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में शामिल नहीं पाएंगे। इंग्लैंड की ओर से भी बेन स्टोक्स, जोस बटलर, जोफ्रा आर्चर और क्रिस वोक्स का ऐसी स्थिति में टीम में शामिल होना संभव नहीं होगा।

IPL इतिहास में सबसे ज्यादा बल्लेबाजों को बोल्ड आउट करने वाले टॉप गेंदबाज

आईपीएल का 14वां सीजन 9 अप्रैल से शुरू होने वाला है. इस सीजन का उद्घाटन मैच मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा. मुंबई इंडियंस आईपीएल की सबसे सफल टीम रही है. आज हम आपको आईपीएल में सबसे ज्यादा बल्लेबाजों को बोल्ड करने वाले टॉप गेंदबाजों के बारे में बता रहे हैं.

लसिथ मलिंगा

लसिथ मलिंगा इस सूची में पहले नंबर पर आते हैं. मलिंगा पिछले साल से इस लीग में नहीं खेल रहे हैं. हालांकि अभी भी वह इस लिस्ट में सबसे ज्यादा बल्लेबाजों को क्लीन बोल्ड करने वाले खिलाड़ी हैं. उन्होंने 112 मैच खेले थे जिसमें उन्होंने 77 विकेट हासिल किए. इसमें से उन्होंने 63 बल्लेबाजों को क्लीन बोल्ड किया.

पीयूष चावला

पीयूष चावला इस सूची में दूसरे नंबर पर आते हैं, जो आगामी सीजन में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए नजर आएंगे. पीयूष चावला ने अब तक इस टूर्नामेंट में 43 बल्लेबाजों को क्लीन बोल्ड किया है.

भुवनेश्वर कुमार और सुनील नरेन

भुवनेश्वर कुमार और सुनील नरेन इस सूची में तीसरे नंबर पर आते हैं. इन दोनों ही गेंदबाजों ने अब तक इस लीग में कुल 36-36 बल्लेबाजों को क्लीन बोल्ड किया है.

रविंद्र जडेजा और हरभजन सिंह

रविंद्र जडेजा और हरभजन सिंह इस सूची में संयुक्त रूप से चौथे नंबर पर आते हैं. इन दोनों ही खिलाड़ियों ने आईपीएल में अब तक 29-29 बल्लेबाजों को बोल्ड किया है.

हॉकी : भारत और अर्जेंटीना के बीच मुकबाला 4-4 से ड्रॉ

नई दिल्ली। भारत और अर्जेंटना के बीच ब्यूनस आयर्स में खेला गया हॉकी का दूसरा अभ्यास मैच 4-4 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। भारत की ओर से वरूण कुमार ने दो और राजकुमार पाल और रूपिंदर पाल सिंह ने एक-एक गोल किए लेकिन अजेंटीना ने वापसी करते हुए बराबरी हासिल की। अर्जेंटीना की तरफ से लिआंड्रो तोलिनी और इगनासिओ ओर्तिज ने एक-एक जबकि लुकस तोस्कानी ने दो गोल किए। भारत को वरूण ने सातवें मिनट में गोल कर बढ़त दिलाई। अजेंटीना की ओर से तोलिनी ने 10वें मिनट में गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद राजकुमार ने 13वें मिनट में गोल स्कोर 2-1 कर दिया। पहले हॉफ में ही रूपिंदर ने 14वें मिनट में गोल दाग टीम को 3-1 की बढ़त दिला दी। अर्जेंटीना ने फिर वापसी करते हुए लुकस के 23वें मिनट में किए गोल से बढ़त कम करने की कोशिश की। इसके बाद इगनासिओ ने 42वें मिनट में गोल कर स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया। मुकाबला बराबरी पर चलने के दौरान भारत को 44वें मिनट में पेनल्टी कार्नर हासिल हुई और वरूण ने बिना कोई गलती किए इस मौके को भुनाया और गोल कर 4-3 की बढ़त ली। अंतिम क्वार्टर में अर्जेंटीना ने एक बार फिर आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और लुकस ने 57वें मिनट में एक और गोल कर स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। निर्धारित समय तक दोनों टीमें अन्य गोल नहीं कर सकीं और मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। भारत का अब अर्जेंटीना से सामना 11 अप्रैल को एफआईएच हॉकी प्रो लीग में होगा।

चैंपियंस लीग : चेल्सी ने पोर्तो को 2-0 से हराया

बर्लिन।

चेल्सी ने यूएफा चैंपियंस लीग में कवार्टर फाइनल के पहले चरण के मुकाबले में पोर्तो को 2-0 से हरा दिया। चेल्सी की ओर से मासोन माउंट ने 32वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। चेल्सी ने इस बढ़त को पहले हॉफ तक बरकरार रखा और पोर्तो को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। दूसरे हॉफ में एक तरफ जहां चेल्सी ने फासला बढ़ाने की कोशिश की तो वहीं पोर्तो बराबरी हासिल करने की कोशिश में लगा रहा। चेल्सी की ओर से 85वें मिनट में बेन चिलवेल ने गोल कर बढ़त 2-0 कर दी। निर्धारित समय तक पोर्तो बराबरी हासिल नहीं कर सका और उसे हार का सामना करना पड़ा।

हम भाग्यशाली हैं जो इस मुश्किल समय में भी खेल रहे हैं : रोहित

चेन्नई,

भारतीय स्टार रोहित शर्मा ने कहा कि वह भाग्यशाली है जो ऐसे समय में क्रिकेट खेल रहे हैं जबकि जैव सुरक्षित वातावरण से बाहर कई लोग अपनी मनपसंद गतिविधियों में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सत्र की पूर्व संध्या पर मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियन्स के कप्तान रोहित ने जैव सुरक्षित माहौल के अंदर के जीवन के बारे में बात की जो कि कोविड-19 महामारी के कारण जरूरी बन गया है। रोहित ने अपनी फ्रेंचाइजी के ट्विटर हैंडल पर जारी वीडियो में कहा, ''लोगों को मुश्किल दौर से गुजरना पड़ रहा है। कई लोग काम नहीं कर पा रहे हैं। वे वह काम नहीं कर पा रहे हैं जो उन्हें पसंद है। कम से कम हम भाग्यशाली हैं कि हम वह कर रहे हैं जो हमें पसंद है। '' उन्होंने कहा, ''कम से कम मैं क्रिकेट खेलकर खुश हूं जो मुझे पसंद है। यदि हमें तालमेल बिठाना है तो ऐसा करना होगा। प्रयास करें कि आप अपना सर्वश्रेष्ठ कैसे दे सकते हैं। आप जैव सुरक्षित वातावरण की इस जिंदगी को भी जानते हैं।'' मुंबई इंडियन्स शुक्रवार को पहले मैच में विराट कोहली की अगुवाई वाली टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर से भिड़ेगा। रोहित ने कहा कि देश की हाल में इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के खिलाफ यादगार जीत से भारतीय क्रिकेट को आगे बढ़ने के लिये बहुत आत्मविश्वास मिलेगा।

उन्होंने कहा, ''सारे विश्व ने देखा कि हमने आस्ट्रेलिया में क्या किया। हमने टीम के रूप में जो प्रदर्शन किया वह आनंददायक था। विशेषकर युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन जिन्होंने अभी टीम में जगह बनायी। उन्होंने जिम्मेदारी ली और महत्वपूर्ण अवसरों पर अच्छा प्रदर्शन किया। इसे देखना शानदार रहा। '' रोहित ने कहा, ''यह आस्ट्रेलिया की बात थी और इसके बाद हमने भारत में इंग्लैंड का सामना किया और फिर इंग्लैंड को तीनों प्रारूपों में हराया। सभी खिलाड़ियों ने अपना योगदान दिया। ''

मैनचेस्टर सिटी के साथ 2025 तक बने रहेंगे डी ब्रूएन

लंदन।

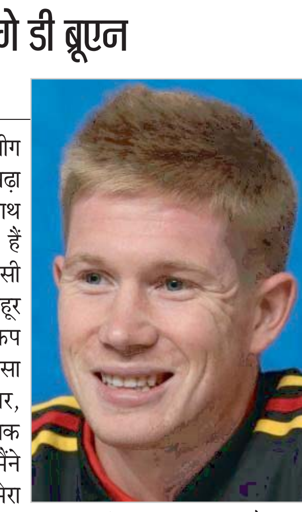

बेल्जियम के मिडफील्डर केविन डी ब्रूएन ने इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब मैनचेस्टर सिटी के साथ अपने अनुबंध को दो साल के लिए बढ़ा दिया है। सिटी ने इसकी पुष्टि की। अब ब्रूएन 2025 तक क्लब के साथ खेलते रहेंगे। 29 वर्षीय डी ब्रूएन ने सिटी में साढ़े पांच साल बिताए हैं और क्लब के साथ उनका पिछला अनुबंध 2023 में समाप्त होगा। इसी अनुबंध में दो साल का विस्तार किया गया है। प्लेमेकर के रूप में मशहूर ब्रूएन ने सिटी के साथ मिलकर दो प्रीमियर लीग खिताब, एक एफए कप और चार लीग कप जीते हैं और मैनेजर पेप गार्डियोला से काफी भरोसा हासिल किया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बेल्जियम के खिलाड़ी ने क्लब की वेबसाइट पर कहा, मैं इससे अधिक खुश नहीं हो सकता था। 2015 में सिटी में शामिल होने के बाद से, मैंने यहां घर जैसा महसूस किया है। मुझे प्रशंसकों से प्यार मिला है। मेरा परिवार यहां मैनचेस्टर में बस गया है और मेरा अपना खेल वास्तव में अच्छी तरह से विकसित हुआ है। सिटी टीम प्रीमियर लीग तालिका में शीर्ष पर है और साथ ही साथ उसने चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में डार्टमेंडल के खिलाफ 2-1 से जीत भी हासिल की है।

कपिल देव की भूमिका निभाना आसान नहीं था

अभिनेता रणवीर सिंह की फिल्म '83' बन कर तैयार है, लेकिन फिल्म की रिलीज पिछले साल से ही कोविड-19 के कारण अटकी हुई है। अब फिल्म को जून में प्रदर्शित करने की घोषणा इस उम्मीद के साथ की है कि तब तक हालात पूरी तरह सुधर जाएंगे। यह फिल्म 1983 में विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम पर आधारित है। विश्व कप शुरू होने के पहले कोई भी भारतीय टीम को दावेदार नहीं मान रहा था, लेकिन टीम इंडिया ने अद्भुत प्रदर्शन करते हुए विश्व कप का खिताब जीत लिया। कपिल देव के नेतृत्व में भारतीय टीम ने हैरतअंगेज प्रदर्शन किया और विश्व की नामी टीम को धूल चटा दी। कपिल ने अपने प्रदर्शन से दूसरे खिलाड़ियों को प्रेरित किया और टीम ने विजेता बन कर ही दम लिया। फिल्म '83' में इसी यात्रा को दर्शाया गया है और कपिल देव की भूमिका अभिनेता रणवीर सिंह ने निभाई है। जब रणवीर को इस रोल के लिए चुना गया था तो कुछ लोगों को शक था कि क्या यह भूमिका रणवीर निभा पाएंगे? रणवीर सिंह ने कपिल देव बनने के लिए खासी मेहनत की। कपिल के साथ समय बिताया। उस सफर के बारे में चर्चा की। कपिल देव की बॉडी लैंग्वेज को पकड़ा। कपिल जैसा लुक अपनाया। साथ ही क्रिकेट भी सीखा और कपिल के अंदाज में शॉट लगाने के बारे में भी जानकारी हासिल की। क्रिकेट सीखना रणवीर के लिए बड़ी चुनौती थी क्योंकि यहां तकनीक हावी हो जाती है। जरा सी भी चूक को होशियार दर्शक पकड़ सकते हैं और उनका फिल्म देखने का मजा किरकिरा हो सकता है। इस बात का रणवीर ने खासा ध्यान रखा। फिल्म की एक तस्वीर में रणवीर सिंह कपिल देव का मशहूर नटराज शॉट लगाते दिख रहे हैं। ये तस्वीर फिल्म में उस सीन की है जहां कपिल देव ने 1983 के क्रिकेट विश्व कप सेमीफाइनल में जिम्बाब्वे के खिलाफ 175 रन बनाए थे। कपिल बनने में रणवीर कितने सफल हुए हैं, ये तो फिल्म देखने के बाद ही पता चलेगा, लेकिन फिल्म के जो पोस्टर सामने आए हैं, उसके आधार पर कहा जा सकता है कि रणवीर ने मेहनत तो बहुत की है। रणवीर चाहते हैं कि उनकी मेहनत अब सबके सामने आए। इंतजार उनके लिए भी और दर्शकों के लिए भी लंबा होता जा रहा है। फिल्म देखने का मजा निश्चित रूप से बड़ी स्क्रीन पर ही आएगा। यही कारण है कि फिल्म के निर्माताओं ने अब तक ओटीटी प्लेटफॉर्म वालों की बातों को अनसुना किया है। कबीर खान निर्देशित इस फिल्म में रणवीर सिंह के अलावा दीपिका पादुकोण, पंकज त्रिपाठी, बोमन ईरानी, साकिब सलीम, हार्डी संधू, एमी विर्क सहित कई अन्य एक्टर्स हैं।

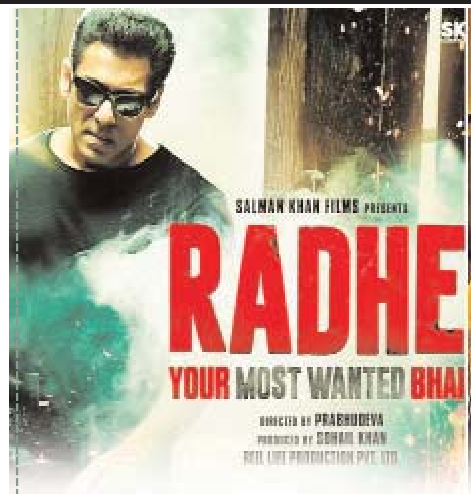

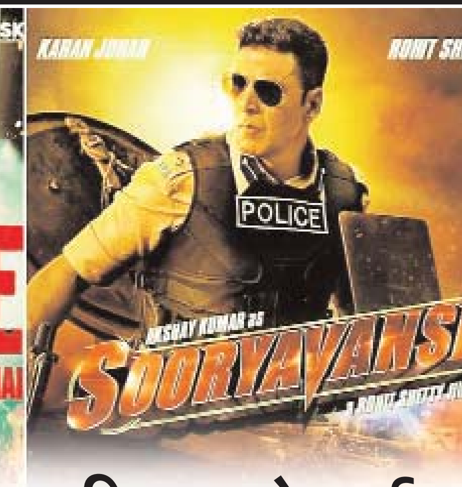

क्या सलमान की 'राधे' ईद पर नहीं हो पाएगी रिलीज!

कल जब खबर आई कि अक्षय कुमार की फिल्म 'सूर्यवंशी' 30 अप्रैल को रिलीज नहीं हो पाएगी और रिलीज डेट अब आगे बढ़ा दी गई है। ऐसा रोहित शेट्टी की इस फिल्म के साथ कई बार हो चुका है। कोविड-19 ने फिल्म की रिलीज को लगभग एक साल से अटका रखा है। अब तो दर्शक भी इंतजार करते-करते थक गए हैं। भारत में एक बार फिर तेजी से हालात बदले हैं। महाराष्ट्र के अलावा अन्य प्रदेशों में भी केसेस बढ़ते जा रहे हैं। सूर्यवंशी बड़ी फिल्म है और इसको फायदा तभी पहुंच सकता है जब सभी जगह हालात ठीक हों। सूर्यवंशी के आगे खिसकने के बाद एक बार फिर सलमान खान की फिल्म 'राधे' पर सवाल खड़े हो गए हैं। क्या इस फिल्म की रिलीज भी आगे बढ़ जाएगी। सलमान की यह फिल्म भी एक साल से अटकी हुई है। पिछली ईद पर रिलीज होने वाली थी और अब यह ईद दरवाजे तक आ गई है। जिस तरह के हालात हैं वो जल्दी नहीं सुधरने वाले हैं। सलमान की मूवी को 13 मई को रिलीज करना अनाउंस किया गया है। सूर्यवंशी के रिलीज होने के दो सप्ताह बाद यह फिल्म रिलीज होने वाली है। अब सूर्यवंशी आगे बढ़ गई है, ऐसे में इस बात की पूरी संभावना है कि सलमान की फिल्म राधे की रिलीज भी आगे बढ़ जाएगी।

क्या ओटीटी पर आएगी ये दोनों फिल्में?

सलमान खान तो सिंगल स्क्रीन सिनेमाघर वालों से वादा कर चुके हैं कि 'राधे' को वे थिएटर में ही रिलीज करेंगे, लेकिन इस वादे को पूरा करने में कोविड-19 लगातार मुश्किल पैदा कर रहा है। दूसरी ओर भारी धन की राशि लिए ओटीटी वाले न केवल राधे बल्कि सूर्यवंशी के प्रोड्यूसर्स के पीछे लगे हुए हैं कि अपनी फिल्म हमें दे दो, लेकिन ये प्रोड्यूसर्स मान नहीं रहे हैं। आखिर कब तक नहीं मानेंगे? कब तक परिस्थितियों के सही होने का इंतजार करेंगे। फिल्म की लागत लगातार बढ़ती जा रही है जिसके कारण रिकवरी मुश्किल हो जाएगी। संभव है कि हालात जल्दी नहीं सुधरे तो सूर्यवंशी और राधे ओटीटी पर देखने को मिल जाए।

जितनी कल्पना की जा सकती है उससे भी मुश्किल

कोविड-19 से जूझ रहीं अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने दुआ और चिंता करने वाले अपने प्रशंसकों और फॉलोवरों का आभार जताने के लिए मंगलवार को इंस्टाग्राम का सहारा लिया। अभिनेत्री ने सभी से महामारी की दूसरी लहर के बीच बाहर न निकलने का अनुरोध किया और चेतावनी देते हुए कहा कि कोविड को झेलना बहुत मुश्किल है, जितनी कल्पना की जा सकती है, उससे भी मुश्किल। भूमि ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, ''सभी को नमस्कार .मैं आप सबसे मिल रहे प्यार से बहुत अभिभूत हूं। मेरे खातिर दुआ करने के लिए धन्यवाद। क्षमा करें, मुझे आपके संदेशों, कॉलों या डीएमएस पर जवाब देने का मौका नहीं मिला है। मैं कल सोने और कोविड से लड़ने में बिताया। बस, यही कहना चाहती हूं कि आप बीमार नहीं होना चाहते, तो घर में ही रहें और बाहर कदम न रखें, अगर वास्तव में बाहर जाना बहुत जरूरी हो तो प्रोटोकॉल का पालन जरूर करें।''भूमि ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर सूचित किया था वह कोविड-19 की जांच में पॉजिटिव पाई गई हैं और घर में ही अलगाव में रह रही हैं। उन्होंने लिखा था, ''आज मुझमें कोविड के हल्के लक्षण हैं, लेकिन मैं ठीक महसूस कर रही हूं और खुद को अलग-थलग कर रही हूं। मैं अपने डॉक्टर और स्वास्थ्य पेशेवरों द्वारा दिए गए प्रोटोकॉल का पालन कर रही हूं। यदि आप हाल में मेरे संपर्क में आए हैं, तो कृपया तुरंत अपनी जांच करवा लें।''

कार्तिक आर्यन ने खरीदी करोड़ों की लैम्बॉर्गिनी कार

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन बीते दिनों कोरोना संक्रमित पाए गए थे, जिसके बाद उन्होंने बीते सोमवार ही इस वायरस को मात देदी है। कोविड-19 जांच रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद कार्तिक आर्यन अपनी नॉर्मल लाइफ में वापस लौट आए हैं। वहीं अपनी इस खुशी को दोगुना करते हुए कार्तिक ने अपने लिए एक ब्रैंड न्यू महंगी कार खरीद ली है। उन्होंने अपनी चमचमाती लैम्बॉर्गिनी कार के साथ एक वीडियो भी शेयर किया है। इस वीडियो में सेलीब्रेशन भी देखने को मिल रहा है, जिसके कारण कार्तिक अचानक चौंक पड़ते हैं। कार्तिक आर्यन ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में कार्तिक अपनी नई कार के पास खड़े होकर पोज दे रहे हैं। काले रंग की लैम्बॉर्गिनी के पीछे ढेर सारे गुब्बारे दिखाई दे रहे हैं। वहीं इस कार के आगे बने सतिया को देखें तो मालूम होता है कि पहले कार्तिक ने इसकी पूजा करवाई है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इस कार की कीमत 3.5 से 4.5 करोड़ है। वहीं नई कार की खुशी में सेलीब्रेशन के दौरान कोई गुब्बार फोड़ देता है और इसकी आवाज से कार्तिक चौंक जाते हैं और लड़खड़ा पड़ते हैं। वीडियो को साझा करते हुए कार्तिक ने कैप्शन में लिखा- 'खरीद ली.पर मैं शायद महंगी चीजों के लिए बना ही नहीं हूं'। वहीं कार्तिक के इस वीडियो पर नई कार के लिए फैंस तो उन्हें बधाई दे ही रहे हैं। इसके साथ कई सेलेब्रिटीज ने भी कमेंट के जरिए कार्तिक के लिए खुशी जाहिर की है। कार्तिक की को-स्टार रह चुकीं भूमि पेडनेकर ने लिखा- 'तुम एक महंगी चीज हो'।

बॉलीवुड में थम नहीं रहे कोरोना केसेज, अब कटरीना कैफ पॉजिटिव

बॉलीवुड में कोरोना के मामले बढ़ते जा रहे हैं। मंगलवार को कटरीना कैफ के कोविड-19 पॉजिटिव होने की खबर आई है। कटरीना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने खुद को आइसोलेट कर लिया है और होम क्वॉरंटीन हैं। वह घर पर ही आराम कर रही हैं। सोमवार को विकी कौशल और भूमि पेडनेकर को कोरोना होने की खबर आई थी।

इंस्टाग्राम पर दी जानकारी

कटरीना ने अपने इंस्टाग्राम पर जानकारी दी है, मेरा कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आया है। मैंने खुद को तुरंत आइसोलेट कर लिया है और होम क्वॉरंटीन रहूंगी। मैं अपने डॉक्टरों की सलाह पर सारे सेफ्टी प्रोटोकॉल्स का पालन क रही हूं। जो भी मेरे संपर्क में आया है उनसे अपील है कि तुरंत अपना कोरोना टेस्ट करवा लें। प्यार और सहयोग के लिए आभारी हूं।

कार्तिक आर्यन, मिलिंद सोमन हुए ठीक

बॉलीवुड में कोरोना की दूसरी लहर तेजी से बढ़ रही है। इस साल रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, मिलिंद सोमन, गोविंदा, कार्तिक आर्यन, भूमि पेडनेकर और विकी कौशल पहले ही कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से कार्तिक आर्यन, रणबीर कपूर और मिलिंद सोमन का कोरोना टेस्ट नेगेटिव आ चुका है। बीते साल सिंगर कनिका कपूर, अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय, आराध्या बच्चन सहित कई सिलेब्स कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं।

10 करोड़ रुपये की उर्वशी रौटेला दीपिका-कैटरीना को पछाड़ा

उर्वशी रौटेला खूबसूरत हैं। हॉट हैं। इसके बावजूद बॉलीवुड में वे खास हलचल नहीं पैदा कर पाई। शायद गलत फिल्में साइन करने का नतीजा हो। हालांकि उर्वशी के पास अभी उम्र और समय दोनों है और संभव है कि वे आने वाले समय में बॉलीवुड में अपना स्थान बना लें। बहरहाल, उर्वशी को दक्षिण भारतीय फिल्मों में बड़ा अवसर मिला है। हाल ही में उन्होंने एक तमिल फिल्म साइन की है। खबर है कि इस फिल्म के बदले उन्हें पूरे 10 करोड़ रुपये मिले हैं। इतनी बड़ी रकम तो बॉलीवुड की कई नामी एक्ट्रेसेस को भी नहीं मिलती। उर्वशी ने इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। इस फिल्म में वे माइक्रोबायोलॉजिस्ट के रोल में हैं। तमिल फिल्म के अलावा वे एक तेलुगु फिल्म भी करने जा रही हैं। शायद दक्षिण भारतीय फिल्मों से उनकी किस्मत का द्वार खुले।

आयुष्मान और रकुल ने डॉक्टर जी का रीडिंग सेशन किया शुरू!

आयुष्मान खुराना और रकुल प्रीत अभिनीत जंगली पिक्च र्स की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'डॉक्टर जी' ने दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता और रोमांच पैदा कर दिया है। इस उत्सुकता को अधिक बढ़ाते हुए, प्रतिभाशाली और लोकप्रिय अभिनेताओं ने हाल ही में अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के जरिये अपने फॉलोवर्स और उत्साही प्रशंसकों को सूचित किया है कि उन्होंने इस कैंपस कॉमेडी ड्रामा का स्क्रिप्ट रीडिंग सेशन शुरू कर दिया है। आयुष्मान और रकुल 'डॉक्टर जी' में पहली बार एक साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए दिखाई देंगे। आयुष्मान जहां डॉ उदय गुप्ता की भूमिका निभाएंगे, वहीं अभिनेत्री एक मेडिकल स्टूडेंट डॉ फातिमा के किरदार में दिखाई देंगी, जो फिल्म में आयुष्मान की सीनियर है। फिल्म का कांसेप्ट यूनिक, दिलचस्प और कुछ ऐसा है जो हमने मैनस्ट्रीम सिनेमा में नहीं देखा है और यह इंतजार निश्चित रूप से मीठा होगा! फिल्म अनुभूति कश्यप द्वारा सह-लिखित और निर्देशित है। फिल्म सुमित सक्सेना, विशाल वाघ और सौरभ भारत ने लिखित है।

सलमान खान को डेट करना चाहती हैं अर्शी खान

सलमान खान को कौन डेट करना चाहता है? यह प्रश्न पूछा जाए तो ज्यादातर लड़कियां खुद का नाम लेंगी। आखिर सलमान बॉलीवुड के सबसे चर्चित और हैंडसम कुंआरे जो ठहरे। अब अर्शी खान का भी उन पर दिल आ गया है। अर्शी खान वही, जो हाल ही में बिग बॉस शो में नजर आई थीं, पहले भी दिखाई दी थीं। सलमान खान ने उनकी खूब क्लास ली थी, लेकिन इससे अर्शी को खास फर्क नहीं पड़ा। हाल ही में एक इंटरव्यू में अर्शी खान ने कहा है कि वे सलमान खान को डेट करना चाहती हैं। यही नहीं, सलमान के अलावा एक और शख्स है जिनके साथ वे रिश्ता जोड़ना चाहती हैं। ये हैं डब्ल्यूडब्ल्यूई रेसलर और सीईओ ट्रिपल एच। अर्शी के मुताबिक वे इन दोनों को डेट करना चाहती हैं। अर्शी इस तरह की बातें क्यों कर रही हैं? उनका दिल टूटा है। हाल ही में उनका ब्रेकअप हुआ है। इस समय वे सिंगल हैं। अर्शी एक बिजनेसमैन को डेट कर रही थीं जिसने काम दिलाने में उनकी मदद की थी। अब ब्रेकअप हो गया है और वे सिंगल हैं। अर्शी एक वेबसीरिज में नजर आई थीं। खबर है कि उन्हें टीवी पर एक स्वयंवर का शो भी ऑफर हुआ है, लेकिन अर्शी ने अब तक हां नहीं कहा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फिटनेस का पंच

शरीर को हेल्थी बनाए रखने के लिए तमाम बॉडी पार्ट मिल-जुलकर काम करते हैं। इन्हें हमेशा फिट रखने के लिए जरूरी है इन पर थोड़ा-सा ध्यान। अगर आपके बॉडी पार्ट्स दुरुस्त रहेंगे तो आप भी हेल्थी रहेंगे।

1. ब्रेन लाइफस्टाइल – ब्रेन को हेल्थी रखने के लिए सोने और जागने का सही रूटीन फॉलो करें। हर हाल में 7-8 घंटे जरूर सोएं।

- अपने रूटीन में रीडिंग या रोज एक क्रॉसवर्ड सॉल्व करना और नई स्किल्स जैसे ड्राइविंग, नई भाषा, टाइपिंग सीखने जैसी दिमाग तेज करने वाली ऐक्टिविटीज शामिल करें। इसके लिए आप मोबाइल ऐप्स का सहारा ले सकते हैं।
- रोजमर्रा का हिसाब-किताब रखने के लिए कैलक्युलेटर की जगह दिमाग का इस्तेमाल करें। कुछ जरूरी मोबाइल नंबर याद रखें।
- सोशली ऐक्टिव रहें और दोस्त बनाएं। अगर किसी सोशल वर्क में हाथ बंटाने का मन करे तो उसमें शामिल हों।
- वजन काबू में रखें।

डायट

- ड्राई फ्रूट्स दिमागी सेहत के लिए अच्छे हैं। सुबह ही 12 से 24 घंटे तक पानी में भीगे हुए 7-8 बादाम और 1-2 अखरोट खाएं।
- दिमाग के लिए जरूरी विटामिन ई से भरपूर डायट लें, जैसे = फलों का जूस, दूध, अंडा, हरी पत्तेदार सब्जियां, आदि।
- रंगबिरंगे फलों में पॉलीफेनॉल होता है, जो दिमाग की सेहत के लिए अच्छा है। इसके लिए काले अंगूर, स्ट्रॉबरी, आड़ू, आलू बुखारा और टमाटर आदि लें।

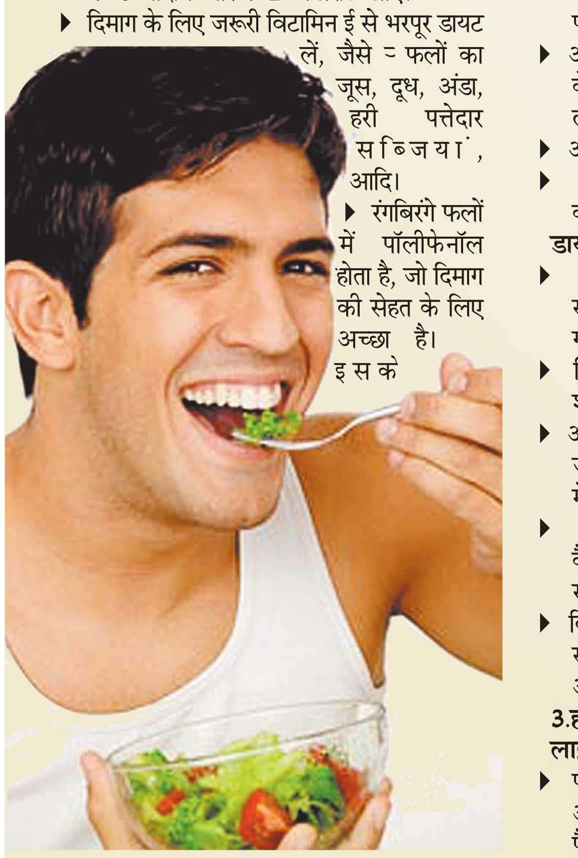

- जिन चीजों को खाने-पीने से शरीर में पानी की कमी होती है, वे ब्रेन के लिए बुरी हैं, मसलन = ऐल्कोहॉल, कैफीन (कॉफी, चाय, कोला ड्रिंक्स) और ज्यादा नमक। रोज कम से कम 8-10 गिलास (2 लीटर) पानी पिएं।
- 4-5 गाजर रोज खाएं। गाजर में ल्यूटिओलीन होता है, जो बढ़ती उम्र के साथ मेमरी घटने की समस्या को कम करता है।

2. आंखें

लाइफस्टाइल

- अगर कंप्यूटर का इस्तेमाल करते हैं तो स्क्रीन का टॉप आंख के लेवल से कुछ नीचे रखें।
- कंप्यूटर पर काम करते वक्त हर 20 मिनट में 20 सेकंड के लिए 200 मीटर दूर देखें। हर 2 घंटे पर चेयर से उठें और कुछ चहलकदमी करें।
- अल्ट्रावॉयलट रे से होने वाले नुकसान से बचने के लिए धूप में यूवी प्रोटेक्शन वाला चश्मा लगाएं।
- आंखों का रेग्युलर चेकअप जरूर करवाएं।
- अगर कॉन्टैक्ट लेंस पहनते हैं तो उसके कवर को 2-3 महीने में बदल दें।

डायट

- ऐंटि-ऑक्सिडेंट्स, विटामिन ई और विटामिन सी से भरपूर चीजें जैसे स्ट्रॉबरी, संतरा, अंगूर, गाजर आदि खाने से आंखें हेल्थी रहती हैं।
- जितना हो सके हरी सब्जियों को खुराक में शामिल करें।
- अंडे के पीले भाग को खाएं। इसमें ट्यूटाइन और जेक्सनथाइन के साथ ही जिंक भी होता है, आंख में मौजूद मैकुला के लिए फायदेमंद है।
- खुबानी (ऐप्रिकॉट) खाएं। इसमें मौजूद बीटा कैरोटिन और लाइकोपेन विजन को सही बनाए रखने में मदद करते हैं।
- विटामिन ई की भरपूर खुराक लें। सुबह ही 12 से 24 घंटे तक पानी में भीगे हुए 7-8 बादाम और 1-2 अखरोट खाएं।

3.हार्ट

लाइफस्टाइल

- पब्लिक ट्रांसपोर्ट (बस, ऑटो, ट्रेन, आदि) अगर घर से 2 किलोमीटर के दायरे में हैं तो पैदल चल कर जाएं।
- सिर्फ वजन ही नहीं, कमर के घेरे को भी कंट्रोल में रखें।
- स्मोकिंग और एल्कोहॉल धीरे-धीरे बंद कर दें।
- एस्केलेटर और लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का सहारा लें।
- स्ट्रेस (तनाव) को काबू में रखें । इसके लिए म्यूजिक, मेडिटेशन या टीवी पर आने वाले कॉमेडी शोज की मदद लें।

डायट

- रिफाइंड और पॉम ऑयल से बचें। सरसों, कनोला, मूंगफली, सूरजमुखी और ऑलिव ऑयल हार्ट के लिए अच्छे होते हैं, लेकिन इन्हें बदल-बदल कर लें। रोजाना 3 छोटे चम्मच से ज्यादा ऑयल न लें।
- रोज के खाने में टमाटर (सलाद में) और सेब को जरूर शामिल करें। टमाटर और सेब में मौजूद विटामिन %के% ब्रेन की अंदरूनी ब्लीडिंग को रोकता है।
- मौसमी हरी पत्तेदार सब्जियां लें। इनमें कैलरी कम और फाइबर ज्यादा होता है। इनसे दिल की बीमारी का खतरा कम होता है।
- बटर (नमकीन और सादा), कोकोआ बटर (चॉकलेट में यूज होने वाला बटर), क्रीम आदि को डायट में कम शामिल करें।
- हार्ट के लिए ओमेगा 3 फैटी एसिड्स से भरपूर बादाम खाएं। 7-8 बादाम 12 से 24 घंटे तक पानी में भिगो कर सुबह लें।

4. लिवर

लाइफस्टाइल

- ज्यादा खाना, मोटापा और पेट के आसपास ज्यादा जमा फैट लिवर की परेशानी को बुलावा देता है।
- रोजमर्रा की जिंदगी में सफाई का ध्यान रखें। साफ पानी पिएं और ताजा व साफ-सुथरा खाना खाएं।
- अनसेफ तरीके की पियर्सिंग (छिदवाना) और टैटू बनवाने के अलावा अनसेफ सेक्स भी लिवर की खतरनाक बीमारियों को आप तक पहुंचा सकता है।
- ऐल्कोहॉल लेने से लिवर में सूजन आ सकती है।
- तेजी से वजन घटाने के लिए ली गई गोलियां भी लिवर पर बुरा असर डालती हैं।

डायट

- रोज 2-3 अखरोट 12-24 घंटे तक पानी में भिगो कर सुबह लें। इसमें हाई ग्लूटाथायोन और ओमेगा 3 फैटी एसिड्स होते हैं। इनसे लिवर की सफाई होने में मदद मिलती है।
- रोज 1-2 कप ग्रीन टी पिएं। ग्रीन टी में मौजूद कैटेचिन्स लिवर के लिए फायदेमंद है।
- सुबह खाली पेट एक बड़ा गिलास गुनगुना नींबू पानी पिएं। इससे लिवर तो साफ होगा ही, पाचन भी सुधरेगा।
- खाना बनाने में चुटकी भर हल्दी का इस्तेमाल भी फायदेमंद है। हल्दी लिवर के इन्फेक्शन को ठीक करती है।
- रोज 6-7 लहसुन की कलियां लें यह लीवर को साफ करता है।

5. फेंफड़े

लाइफस्टाइल

- अगर आपको खर्राटे आते हैं तो डॉक्टर को दिखाएं। खर्राटे फेफड़ों को उतना ही नुकसान पहुंचाते हैं जितना स्मोकिंग।
- सिगरेट पीना बिल्कुल बंद कर दें।
- धूल और धुएं से भरे माहौल में जाने से बचें। अगर जाना जरूरी हो तो मुंह और नाक ढंक लें। हो सके तो डस्ट मास्क लगाएं।
- सांस से जुड़ी किसी परेशानी, जैसे पुरानी खांसी, कफ के साथ खून आने को गंभीरता से लें।
- माइनिंग, कंस्ट्रक्शन, बेकरी और टेक्सटाइल जैसे पेशों से जुड़े लोगों को रेग्युलर चेकअप करवाते रहना चाहिए।

कैसे पाएं गर्मी से राहत?

गर्मी से राहत पाने में कौन-से तरीके कारगर हो सकते हैं? गर्मी के मौसम के हिसाब से अपने शरीर को ढालने के लिए खान-पान, रहन-सहन और कपड़ों पर खास ध्यान देना पड़ता है। कुछ चीजों पर गौर कर आप गर्मी से पार पा सकते हैं...

शरबत पीएं – गर्मी में कुछ ही देर में हमारा गला सूखने लगता है। मन करता है कुछ ऐसा मिल जाए, जिससे गला तर हो जाए। भले ही बाजार में कितनी भी कोल्ड ड्रिंक या सॉफ्ट ड्रिंक आ जाएं, लेकिन शरबत का कोई तोड़ नहीं हो सकता। गर्मियों में खुद को ठंडा रखने के लिए जरूरी है कि शरीर में पानी की कमी न हो। खीरा, तरबूज, खरबूज में काफी मात्र में पानी होता है। इन्हें खाएं।

नीबू की शिकंजी – नीबू और चीनी के इस घोल में ग्लूकोज की मात्र खूब होती है। इसे पीने से ताजगी आती है और शरीर में ग्लूकोज की कमी नहीं होती।

आम पना – कच्चा आम, पुदीना, सौंफ, जीरा, हींग और नमक को मिलाकर बनाया हुआ खट्टा पना पेट के लिए बहुत फायदेमंद है। यह लू में भी असरदार है।

लस्सी – दही से बनने वाली लस्सी पौष्टिकता से भरपूर एक स्वादिष्ट पेय है। जिन लोगों को दही पसंद है, वे गर्मियों में भिन्न-भिन्न प्रकार की लस्सी पी सकते हैं।

फलों का शरबत – गर्मियों में फलों के शरबत का मुकाबला दूसरा पेय नहीं कर सकता। आप किसी भी फल से बढ़िया मीठा शरबत बना सकती हैं। बेल, आम, अंगूर, संतरा, खरबूजा, तरबूज, चीकू जैसे फलों में चीनी और बर्फ मिलाकर शरबत बनाएं।

ठंडी चीजों के बारे में सोचें– एक्सपर्ट्स के मुताबिक, हम जो सोचते हैं, वही महसूस भी करते हैं। अगर हम किसी बर्फीले क्षेत्र के बारे में पढ़ते हैं या ऐसी जगह की तस्वीर देखते हैं तो हमें ठंडक महसूस होती है। इसलिए जितना हो सके, ठंडी चीजों के बारे में सोचें। इससे भले ही आपको शारीरिक रूप से ठंडक महसूस न हो, पर मानसिक तौर पर ठंडक महसूस होगी और आपको अच्छा लगेगा।

इस गर्मी में कुछ ठंडा हो जाए

चिलचिलाती गर्मी से राहत पाने के लिए मार्केट में इन दिनों कई तरह के कोल्ड ड्रिंक्स अवेलेबल हैं। खास बात यह है कि इनसे आपका गला तो तर होता ही है, साथ ही सेहत के लिए भी फायदेमंद हैं:-

तरबूज का जूस

तरबूज गर्मियों में खूब मिलते हैं, तो इसका जूस आप पी सकते हैं। इसमें वह सभी मिनरल्स हैं, जो बॉडी को चाहिए। इसे रेग्युलर पीने से आपका वजन नहीं बढ़ेगा। इसमें मैग्निशियम, फास्फोरस, आयरन और बिटा कैरोटिन होता है जो सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

पपीते का जूस

पपीते का जूस ठंडा होता है और बहुत जल्दी डाइजेस्ट भी हो जाता है। कई शॉप्स पर इन दिनों पपीते का जूस मिल रहा है। जिन्हें डाइजेशन की प्रॉब्लम है, उनके लिए यह फायदेमंद फ्रूट है।

लेमन वॉटर

लेमन विटामिन सी का अच्छा सोर्स है। लेमन को ठंडे पानी में निचोड़कर इसमें काला नमक, जीरा पाउडर और थोड़ा चाट मसाला डाल दें। इससे ठंडक मिलती है। लेमन वॉटर में कई फ्लेवर्स भी हैं, जिसमें मसाला नीबू पानी, खट्टा नीबू पानी सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है।

दांतों से न करें यह 10 खिलवाड़

फिट शरीर के कुंजी हैं फिट दांत

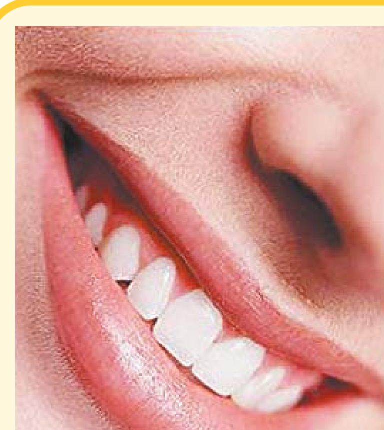

1.रेग्युलर चेकअप से परहेज – नियमित रूप से अपने दांतों का चेकअप करना दांतों की देखभाल के लिए बहुत जरूरी है। आपको अपने दांतों में दर्द, सड़न, सेंसिटिविटी होने तक का इंतज़ार नहीं करना चाहिए। साल में एक बार डेंटिस्ट से चेकअप कराएं। इससे होने वाली परेशानी को पहले ही रोक सकेंगे।

2. परेशानी को भूल जाना – किसी भी परेशानी को जरा आराम मिलते ही भूल जाना दांतों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। फॉलोअप यानी जांच , इलाज के बाद और बीच में बहुत जरूरी होती हैं, आपका ट्रीटमेंट कुछ भी हो लेकिन अगर डेंटिस्ट ने आपको फिर से चेकअप के लिए कहा है तो जरूर कराएं। खासतौर पर अगर रूट कैनाल, दांत निकलवाना. मसूड़ों की सर्जरी जैसी स्थिति में घाव भरते और कंडिशन के पूरी तरह से नॉर्मल होते वक्त लगता है इसलिए रेग्युलर फॉलोअप करें।

3.खुद बने दांत का डॉक्टर – किसी भी दवा के बिना डॉक्टरी सलाह के लेना नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए जब भी आपको दांत, मुंह या शरीर के किसी अन्य हिस्से में कोई परेशानी महसूस हो तो डॉक्टर के पास जाएं न कि पुराने नुस्खों को ही आजमाएं।

4.पहले का इलाज हुआ पुराना– अगर दांतों का इलाज कराने जाने से पहले इस बात को अपने डेंटिस्ट को बताएं कि आपका पहले किस-किस बीमारी में क्या इलाज हो चुका है। इसके अलावा अगर आप कोई दवाई खा रहे हैं या लंबे वक्त तक खाते रहे हैं तो उसके बारे में भी बताएं। अगर किसी दवा से अलर्जी या रिएक्शन है तो डेंटिस्ट को बताएं। आपके दांत भी शरीर का ही अंग हैं इसलिए बाकी शरीर के बारे में दी गई जानकारी आपके लिए फायदेमंद हो सकती है।

5. फर्राटा सफाई – लोग दांतों को साफ करने में या तो वक्त बिताना ही नहीं चाहते या फिर बहुच कम वक्त देना चाहते हैं। कुछ लोगों को दिन में 2 बार दांतों की सफाई झंझट लगती है। हालांकि दांतों को हेल्थी बनाए रखने के लिए जरूरी है कि दांतों को 2 से 3 बार कायदे से साफ किया जाए। एक बात ध्यान रखें कि दांतों को ज्यादा बार और तेज ब्रश करने से दांतों की ऊपरी परत यानी इनेमल कमजोर हो जाती है।

6. डेंटल फ्लॉस और एंटीसेप्टिक माउथवॉश – ब्रशिंग के साथ माउथवॉश और फ्लॉसिंग भी जरूरी हैं । आपके दांतों के बीच में जो खाना फंसता है वो दांतों की सड़न और मसूड़ों के इंफेक्शन का एक बड़ा कारण होता हैं। इसलिए स्वस्थ मसूड़ों और दांतों के लिए डेंटल फ्लॉस या इंटरडेंटल ब्रश का इस्तेमाल दांतों के बीच की जगह को साफ़ रखने के लिए किया जाता है। मुंह के कीटाणुरहित रखने के लिए रात में सोने से पहले एंटीसेप्टिक माउथवॉश से एक बार कुल्ला कर लेना चाहिए।

7.जंक फूड की ओवर डोज – मार्केट में मिलने वाले कई प्रॉडक्ट्स आपके दांतों को नुकसान पहुंचा सकते हैं, जैसे ज्यादा मात्रा में सोडा , कोल्ड ड्रिंक आदि पीना दांतों के लिए नुकसानदायक साबित ह सकता है। इन्हें ज्यादा लेने से दांतों की ऊपरी परत यानी इनेमल को नुकसान पहुंचता है और दांत सेंसेटिव हो जाते हैं जिससे कुछ भी गर्म-ठंडा दांतों में लगने लगता है।

अधिक मात्रा में मीठे और चिपकने वाली चीजें जैसे कैंडीज ,चिप्स, क्रीम बिस्कुट आदि खाने से दांतों में सड़न पैदा होने लगाती है। इन चीजों को कम खाना चाहिए। अगर बच्चे अधिक जिद करें तो बच्चों को हफ्ते में एक दिन तय करके यह चीजें खाने को दें। जब भी खाने को दें तो उसके बाद दांतों को ब्रश करवाना न भूलें। सोडा ,कोल्डड्रिंक लेने के तुरंत बाद ब्रश न करें, कुछ वक्त बाद ही ब्रश करें जिससे दांतों के इनेमल को कम नुकसान हो।

8. हरी सब्जियों और फल न खाना – हरी सब्जियां और फल दोनों ही आपके शरीर के साथ दांतों के लिए भी बहुत जरूरी होते हैं। इन्हें लेने से जरूरी विटामिन शरीर को मिलते हैं जो दांतों के लिए भी जरुरी हैं। विटामिन D और विटामिन D दोनों ही दांतों के लिए बहुत फायदेमेंद हैं। विटामिन D स्वस्थ्य मसूड़ों के लिए जरुरी हैं। विटामिन D आपकी हडिड्यों और दांतों के लिए जरूरी है। सा देखने में आया है कि जो लोग लगभग 800mg/दिन विटामिन D लेते हैं उनमें मसूड़ों की परेशानी कम देखी गई है। विटामिन D मुख्तया चीज़,दूध,दही में पाया जाता हैं।

9.तंबाकू का नशा – तंबाकू को किसी भी तरह लेने से (बीड़ी ,सिगरेट,जर्दा आदि) हेल्थ के साथ-साथ दांतों और मसूड़ों को नुकसाना पहुंच सकता है। दांतों से जुड़े मसूड़ों को कमजोर करता हैं । तंबाकू को किसी भी तरीके से लेने पर दांतों पर भूरी, लाल ,पीली परत जमा हो जाती है।

10.कुछ बुरी आदतें – कुछ अनचाही आदतें जेसे रात को सोते वक्त दांतों का कटकटाना, मुंह में पेंसिल या पिन को लागतार चबाते रहना, बर्फ चबाना आदि दांतों पर अधिक दवाब डालते हैं जिसकी वजह से दांतों की इनेमल और जुड़ी हड्डियों पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए अगर आपको रात में ही दांतों को कटकटाने की आदत है तो डेंटिस्ट से सलाह लेकर रात को पहने जाने वाले माउथगार्ड बनवा सकते हैं। इसी तरह अगर स्विमिंग करते हैं तो माउथगार्ड दांतों को पानी में मिली क्लोरिन से बचाता है। क्लोरीन के असर से दांतों का रंग पीला पड़ता है और इनेमल का भी नुकसान होता है।

सार समाचार

ब्रिटेन में म्यांमार के राजदूत का दावा: सहकर्मियों ने ऑफिस में घुसने नहीं दिया

लंदन। ब्रिटेन में म्यांमार के राजदूत ने दावा किया है कि उनके सहकर्मियों ने उन्हें लंदन में स्थित कार्यालय में प्रवेश नहीं करने दिया। क्यॉ ज्वार मिन ने कहा कि म्यांमा के सैन्य शासन के निष्ठावान राजनयिकों ने बुधवार शाम उन्हें दूतावास में प्रवेश करने से रोक दिया। राजदूत ने पिछले महीने म्यांमार की लोकतंत्र समर्थक नेता आंग सू ची की रिहाई की अपील की थी, जिन्हें एक फरवरी को सैन्य तख्तापलट के बाद हिरासत में ले लिया गया था। उन्होंने तख्तापलट की भी आलोचना की थी। मिन ने डेली टैलीग्राफ से कहा, उन्होंने मुझे अंदर जाने से रोक दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें राजधानी से निर्देश मिले हैं, लिहाजा वे मुझे अंदर नहीं जाने दे सकते। उन्होंने इस कदम को बगावत करार दिया। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डॉमिनिक रॉब ने बृहस्पिवार को इस घटना की निंदा करते हुए इसे म्यांमा के सैन्य शासन की तंग करने वाली कार्रवाई करार दिया और राजदूत के साहस की प्रशंसा की। यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि कि ब्रिटेन इस मामले में कोई कदम उठाया है या नहीं।

तोक्यो की गवर्नर ने सरकार से वायरस की रोकथाम के लिए आपात कदम उठाने की अनुमति मांगी

तोक्यो। तोक्यो के प्रशासन ने जापान की केंद्र सरकार से ओलंपिक शुरू होने से महज तीन महीने पहले तेजी से फैल रहे कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम के लिए आपात कदम लागू करने की अनुमति मांगी है। तोक्यो जनवरी में आपात स्थिति से बाहर निकला था। जापान की गवर्नर युरिको कोइके ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने सरकार से फरवरी में लागू नये वायरस रोकथाम कानून के तहत बाध्यकारी आदेश जारी करने की अनुमति देने को कहा। इसमें नियमों का उल्लंघन करने वाले कारोबारियों पर जुर्माना तथा पालन करने वालों के लिए मुआवजा देना शामिल है। इससे पहले पश्चिमी जापान के ओसाका ने चिकित्सा आपातकाल लागू किया है। यहां के अस्पतालों में कोरोना वायरस मरीजों की भीड़ लगी हुई है। तोक्यो में बुधवार को संक्रमण के 555 मामले सामने आए जो फरवरी के बाद से सर्वाधिक हैं। कोइके ने कहा कि वह वायरस के नये स्वरूपों, खासकर ब्रिटेन में सामने आए नये रूप के तेजी से प्रसार से चिंतित हैं। कोइके ने कहा कि कुछ ही समय में तोक्यो में ओसाका जैसे हालात हो सकते हैं।

60 साल और उससे कम उम्र के लोगों को लगेगा एस्ट्राजेनेका टीका? द.कोरिया लेगा फैसला

सियोल। दक्षिण कोरिया के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि वे 'एस्ट्राजेनेका' के कोविड-19 रोधी टीके को फिर से 60 साल और उससे कम उम्र के लोगों को लगाने के संबंध सप्ताहांत में फैसला लेंगे। टीका लगाने से कथित तौर पर रक्त के थक्के जमने की खबरों के बाद यूरोप में नियामकों द्वारा शुरू की गई जांच के मद्देनजर देश में टीके लगाने बंद कर दिए गए थे। 'कोरिया रोग नियंत्रण एवं रोकथाम एजेंसी' ने बृहस्पतिवार को बताया कि 'यूरोपियन मेडिसिन एजेंसी' ने इस बात पर जोर दिया कि 'एस्ट्राजेनेका' टीका लगाने से अधिकतर लोगों में संक्रमण का जोखिम कम होता है। उसने यह भी कहा कि उसे टीके लगाने और थक्के जमने में ''संभावित संबंध'' मिला है। देश में अभी तक करीब 10 लाख लोगों को कोविड-19 रोधी टीके लग चुके हैं। दक्षिण कोरिया में अभी केवल अस्पताल एवं आपात सेवाओं के कर्मचारियों तथा 'लॉन्ग-टर्म केयर' के 60 वर्ष या उससे कम उम्र के लोगों को टीके लगाए जा रहे हैं। दक्षिण कोरिया का टीकाकरण अभियान मुख्यत- 'एस्ट्राजेनेका' टीके पर ही निर्भर है।

यूरोपीय आयोग की महिला अध्यक्ष का तुर्की में हुआ अपमान ! राष्ट्रपति ने बैठने के लिए ऑफर नहीं की कुर्सी

नयी दिल्ली। तुर्की में महिलाओं का कितना सम्मान कितना होता है, इसका ताजा उदाहरण यूरोपीय संघ (ईयू) की बैठक में देखने को मिला। आपको बता दें कि यूरोपीय संघ के दो अध्यक्ष तुर्की का दौरा करने पहुंचे थे। जहां पर उनकी मुलाकात राष्ट्रपति एर्दोआन के साथ हुई। इस दौरान महिला अध्यक्ष को बैठने के लिए कुर्सी नहीं मिली।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय संघ के अन्य शीर्ष अधिकारी बुधवार को अपनी अंकारा यात्रा के दौरान तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोआन के साथ मुलाकात की। जब तुर्की के राष्ट्रपति और ईयू के साथी जब अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ कमरे में पहुंचे तो वहां पर केवल दो कुर्सियां थीं। कमरे में मौजूद कुर्सियों में राष्ट्रपति और ईयू के अध्यक्ष माइकल जाकर बैठ गए और उर्सुला वॉन डेर लेयेन को खड़े रहना पड़ा। इस दौरान उर्सुला वॉन डेर लेयेन को कुर्सी तक ऑफर नहीं की गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक उर्सुला वॉन डेर लेयेन को बाद में सोफे में बैठाया गया।

राष्ट्रपति ने नहीं किया मेहमान का सम्मान

राष्ट्रपति एर्दोआन का व्यवहार उर्सुला वॉन डेर लेयेन के प्रति सही नहीं था। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें साफ तौर पर देखा जा सकता है कि दोनों कुर्सी पर पुरुष नेता बैठे हुए हैं। जबकि महिला खड़ी हैं।

न्यूजीलैंड ने पहली बार भारत से आने वाले लोगों पर लगाया अस्थायी प्रतिबंध

मेलबर्न/वेलिंगटन। (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड ने देश में आने वाले लोगों के कोविड-19 से संक्रमित होने के मामले बढ़ने पर भारत से आने वाले यात्रियों पर 11 अप्रैल से करीब दो हफ्तों के लिए पहली बार अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है। इसमें भारत से लौटने वाले उसके नागरिक भीशामिल हैं। प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने बृहस्पतिवार को इसकी घोषणा की। उन्होंने बताया कि प्रतिबंध रविवार को लागू होगा और 28 अप्रैल तक रहेगा। भारत में कोरोना वायरस के मामले बढ़ने के कारण न्यूजीलैंड के नागरिकों के भी देश में प्रवेश पर पाबंदी लगाई गई है।

'न्यूजीलैंड हेराल्ड' की खबर के मुताबिक, अर्डर्न ने कहा कि सरकार कोविड-19 से सबसे ज्यादा प्रभावित अन्य देशों से भी पैदा हो रहे खतरे का आकलन करेगी। न्यूजीलैंड में कोरोना वायरस के 23 नए मामले आए हैं जिनमें से 17 संक्रमित लोग भारत से आए। इसके बाद यह यात्रा पाबंदी लगाई गई है। अर्डर्न ने कहा, ''यह स्थायी व्यवस्था नहीं है बल्कि अस्थायी कदम है।'' उन्होंने कहा कि इस अस्थायी रोक से यात्रियों के समक्ष पैदा हो रहा खतरा भी कम करने में मदद मिलेगी। प्रतिबंध में न्यूजीलैंड के नागरिक और स्थायी निवासी भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ देशों के यात्रियों पर पहले भी यात्रा पाबंदी रही है लेकिन कभीन्यूजीलैंड के नागरिकों और निवासियों की यात्रा पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया। उन्होंने कहा कि वह भारत में न्यूजीलैंड वासियों के लिए इस अस्थायी निलंबन से पैदा होने वाली परेशानियों को अच्छे से समझती हैं। उन्होंने कहा, ''लेकिन मुझे जिम्मेदारी का भी अहसास है और यात्रियों के समक्ष पैदा हो रहे खतरों को कम करने के तरीके तलाश करने का दायित्व भी मुझ पर है।''

अर्डर्न ने कहा कि अधिक जोखिम वाले अन्य देशों के लोगों पर अस्थायी यात्रा पाबंदी लगाने पर विचार नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हमने अन्य जगहों पर भी मामलों में वृद्धि देखी है लेकिन उन जगहों से अधिक संख्या में यात्री यहां नहीं आते हैं।'' स्वास्थ्य दल 28 अप्रैल तक भारत से यात्रियों के प्रवेश के सुरक्षित तरीकों को तलाशने का काम करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह इस बात का जवाब नहीं दे सकती कि क्या भारत से आने वाले यात्रियों पर 28 अप्रैल के बाद भी प्रतिबंध रह सकता है। ऑकलैंड इंडियन एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्रभाई भाना ने कहा कि उन्हें भारत से आने वाली उड़ानों को अस्थायी तौर पर निलंबित करने के न्यूजीलैंड सरकार के फैसले से कोई दिक्कत नहीं है। जॉन्स हॉप्किन्स कोरोना वायरस रिसोर्स सेंटर के अनुसार, न्यूजीलैंड में कोरोना वायरस के 2,531 मामले आ चुके हैं और 26 लोगों की मौत हो चुकी है।

चीन नहीं बता रहा है भारत से बातचीत की अगली तारीख, स्र्ष्ट विवाद के लिए फिर भारत पर फोड़ा ठीकरा

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन ने गुरुवार को कहा कि लद्दाख में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर तनाव को दूर करने के मकसद से सैन्य कमांडर्स के बीच 11वीं बैठक के लिए वह भारत से संपर्क में है, लेकिन उसने बातचीत के लिए किसी तारीख की पुष्टि नहीं की है। बैठक को लेकर एक सवाल का जवाब देते हुए चीनी विदेश मंत्रालय ने सीमा पर बिगड़े हालात के लिए फिर भारत को जिम्मेदार ठहराया।

हालांकि, चीन ने इस बात से इनकार किया है कि बातचीत में देरी हो रही है, जबकि 10वें दौर की बातचीत करीब 7 सप्ताह पहले 20 फरवरी को हुई थी। भारत में कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि नई दिल्ली और बीजिंग के बीच कॉर्प्स कमांडर लेवल की अगली बातचीत शुक्रवार को हो सकती है। बताया जा रहा है कि अगली बैठक में पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले बचे हुए स्थानों से डिसइंगेजमेंट पर बात होगी। 20 फरवरी की बातचीत से पहले दोनों देशों ने पैंगोंग झील के किनारे से सशस्त्र सैनिकों और टैंकों को हटा लिया है।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने गुरुवार को एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'चीन और भारत के बीच 11वें दौर की बातचीत के लिए संवाद कर रहे हैं। बैठक में कोई देरी नहीं हुई है, जैसा कि आपने कहा।' इसी तरह के एक अन्य जवाब में उन्होंने कहा, 'मुझे आगामी बातचीत को लेकर कोई जानकारी नहीं है।'

झाओ ने आगे कहा, 'मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि भारत-चीन सीमा पर स्थिति स्पष्ट हैं और इसकी जिम्मेदारी चाइनीज पक्ष पर नहीं है। हम उम्मीद करते हैं कि भारतीय पक्ष हमारे नेताओं के बीच बनी सहमति और सीमा पर तनाव को कम करने के लिए संबंधित समझौतों और संधियों को लागू करने के लिए चीन के साथ काम करेगा।'

यह पूछे जाने पर कि क्या चीन अप्रैल 2020 की यथास्थिति को लागू करने के भारत के प्रस्ताव पर विचार करेगा? झाओ ने कहा, 'आपने जिस प्रस्ताव का जिक्र कियाय है, मैं मानता हूं कि इस पर बैठक में बात होनी चाहिए और सीमा मुद्दे पर मैंने अपनी स्थिति साफ कर दी है।'

पूर्वी लद्दाख में यथास्थिति की बहाली के लिए भारत के प्रस्ताव पर चर्चा हो सकती है: चीन

बीजिंग।(एजेंसी)।

चीन ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूर्वी लद्दाख में अप्रैल 2020 की यथास्थिति की बहाली के लिए भारत के प्रस्ताव पर दोनों देशों के बीच अगली बैठकों में चर्चा हो सकती है। चीन ने शुक्रवार को कोर कमांडर-स्तरीय वार्ता के 11वें दौर की संभावना के बारे में रिपोर्टों के बीच कहा कि पूर्वी लद्दाख में संघर्ष वाली शेष जगहों से सैनिकों की वापसी पर भारत के साथ वार्ता करने में कोई देरी नहीं की जा रही है। पूर्वी लद्दाख में सैनिकों की और वापसी पर चर्चा के लिए चीन-भारत कोर कमांडर स्तर की बैठक के 11वें दौर के लिए तिथि की पुष्टि के बारे में पूछे जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने यहां एक पत्रकार सम्मेलन में कहा कि ''चीन और भारत 11वें दौर की वार्ता आयोजित करने के लिए संपर्क में है।'' उन्होंने कहा, ''आगामी वार्ता के लिए विशिष्ट तिथि के रूप में, मुझे कोई जानकारी नहीं है।'' प्रवक्ता ने 11वें दौर की वार्ता आयोजित करने में किसी तरह के विलंब से भी इनकार किया।

झाओ ने कहा, ''बैठक में कोई विलंब नहीं किया जा रहा है। मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि भारत-चीन सीमा पर स्थिति बहुत स्पष्ट हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम आशा करते हैं कि दोनों नेताओं के बीच महत्वपूर्ण सहमति के आधार पर भारतीय पक्ष चीन के साथ काम करेगा।'' उन्होंने कहा कि पूर्वी लद्दाख में यथास्थिति की बहाली के लिए भारत के प्रस्ताव पर दोनों देशों के बीच अगली बैठकों में चर्चा हो सकती है। दिल्ली से खबरों में कहा गया है कि दोनों सेनाओं के कोर कमांडरों की बैठक शुक्रवार को हो सकती है और इसमें पूर्वी लद्दाख में संघर्ष वाले शेष स्थानों में सैनिकों की वापसी पर चर्चा हो सकती है। भारत इस बात पर जोर देता रहा है कि सीमा पर शांति दोनों देशों के बीच समग्र संबंधों के लिए आवश्यक है।

चीन ने किया था पराग्वे को कोरोना वैक्सीन देने का वादा, भारत ने भेजी एक लाख खुराक

बीजिंग।(एजेंसी)।

चीन ने ताइवान पर कोविड-19 टीका कूटनीति के साथ अपने आजादी के लक्ष्य को और बढ़ाने का आरोप लगाया है। एक दिन पहले ही ताइवान ने अपने कूटनीतिक सहयोगी देश पराग्वे को एक लाख टीकों की खुराक भेजे जाने पर भारत की तारीफ की थी। चीन ने कथित तौर पर दक्षिण अमेरिकी देश पराग्वे पर दबाव बनाया था कि वह चीन के टीकों के ऐवज में ताइवान से संबंध तोड़ दे। बीजिंग ताइवान को चीन का हिस्सा मानता है और कहता है कि उसे चीन के मुख्य भूभाग में शामिल हो जाना चाहिए। पराग्वे उन 15 देशों में शामिल है जो ताइवान के स्वशासी क्षेत्र को अब भी संप्रभु राष्ट्र मानते हैं।

ताइवान के विदेश मंत्री जोसफ वू ने बुधवार को चीन पर पराग्वे पर दबाव बनाने के लिए चीन निर्मित कोरोना वायरस टीके भेजने की पेशकश करने का आरोप लगाया ताकि वह ताइवान से संबंध तोड़ दे। वू ने ताइपे में मीडिया से कहा कि चीन ने पराग्वे के लिए लाखों खुराकों का वादा किया है जो महामारी से बुरी तरह प्रभावित रहा है। चीन पर 'टीका कूटनीति' का आरोप लगाते हुए वू ने कहा था, ''चीन की सरकार बड़ी सक्रियता से कहती है कि यदि पराग्वे सरकार ताइवान के साथ कूटनीतिक संबंधों को तोड़ना चाह रही है तो उन्हें चीन से टीकों की कुछ लाख खुराक मिल जाएंगी।'' उन्होंने कहा, ''पिछले कुछ हफ्तों में हम जापान, अमेरिका, भारत समेत समान विचार वाले देशों से बात कर रहे हैं और सुखद बात है कि भारत पराग्वे को कोवैक्सीन की कुछ खुराक देने में सफल रहा है।

बांग्लादेश दौरे पर गए सेना प्रमुख ने दी सैनिकों को श्रद्धांजलि, 'गार्ड ऑफ ऑनर' से किया गया स्वागत

ढाका। भारतीय थल सेना के प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने बांग्लादेश के 1971 के मुक्ति संग्राम शहीदों को बृहस्पतिवार को यहां श्रद्धांजलि दी। वह दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच करीबी संबंधों को और मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से पांच दिन की यात्रा पर बांग्लादेश आये हैं। नरवणे बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल अजीज अहमद के आमंत्रण पर ढाका पहुंचे हैं। कुछ दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पड़ोसी देश की यात्रा की थी। बांग्लादेश की सेना के अतिरिक्त लोक सूचना महानिदेशालय ने ट्वीट किया, ''जनरल नरवणे ने पांच दिन की अपनी यात्रा के पहले दिन आज शिखा अनिर्बान पर मुक्ति संग्राम के शहीदों को श्रद्धांजलि दी।'' सेनाकुंज में उनका स्वागत गार्ड ऑफ ऑनर के साथ किया गया। भारतीय सेना प्रमुख संयुक्त राष्ट्र शांति सहयोग परिचालन पर एक सेमिनार में अपने अनुभव साझा करेंगे। यहां भारतीय दूतावास ने उनकी यात्रा से पहले एक बयान में कहा कि वह संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में चार से 12 अप्रैल तक चल रहे संयुक्त सैन्य अभ्यास शांति अग्रसेना के समापन समारोह में भी शामिल होंगे। जनरल नरवणे 11 अप्रैल को बांग्लादेश के विदेश मंत्री ए के अब्दुल मोमीन से मुलाकात करेंगे। नयी दिल्ली में सेना प्रवक्ता कर्नल अमन आनंद ने कहा, ''आठ से 12 अप्रैल की यह यात्रा दोनों देशों की सेनाओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करेगी और विभिन्न रणनीतिक विषयों पर दोनों देशों के बीच करीबी समन्वय तथा सहयोग के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम करेगी।''

मिसेज श्रीलंका सौंदर्य प्रतियोगिता में हुआ हंगामा, विजेता के सिर से जबरदस्ती उतारा ताज

कोलंबो। पिछले सप्ताह यहां आयोजित एक सौंदर्य प्रतिस्पर्धा में कथित रूप से एक प्रतिभागी को चोट पहुंचाने तथा संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में बृहस्पतिवार को मौजूदा मिसेज वर्ल्ड कैरोलीन जूरी और उनकी एक सहयोगी को गिरफ्तार किया गया है। जूरी और पूर्व मॉडल चूला पद्मेंद्र ने गत शनिवार को मंच पर प्रस्तुति दी थी। इस दौरान पुष्पिका डिसिल्वा को मिसेज श्रीलंका सौंदर्य प्रतियोगिता का विजेता घोषित किया गया था। जूरी ने कहा था कि डिसिल्वा तलाकशुदा हैं और इस प्रतिस्पर्धा में केवल विवाहित महिलाओं को भाग लेने की इजाजत है। इसके बाद उन्होंने डिसिल्वा का विजेता का ताज जबरदस्ती उतार लिया और उपविजेता प्रतिभागी के सिर पर रखकर उसे विजेता घोषित कर दिया। डिसिल्वा ने इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद आयोजकों ने उन्हें विजेता का ताज लौटा दिया। यहां एक पुलिस अधिकारी ने बताया, ''हमने मिसेज जूरी और चूला पद्मेंद्र को हिरासत में ले लिया है।'' जूरी और पद्मेंद्र पर प्रतियोगिता स्थल नीलम पोकुना थियेटर में संपत्ति को नुकसान पहुंचाने तथा डिसिल्वा को चोटिल करने का आरोप है।

भारत पर साइबर हमला करने में चीन सक्षम, साइबर रक्षा पर दिया जा रहा ध्यान: सीडीएस रावत

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत के प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत ने बुधवार को कहा कि चीन भारत के खिलाफ साइबर हमला करने में सक्षम है और प्रौद्योगिकी के मामले में दोनों देशों की क्षमता में अंतराल है। रावत ने विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन में अपने संबोधन में कहा कि भारत के नेतृत्व ने देश की सुरक्षा और गरिमा पर 'अकारण' हमले के मद्देनजर महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हितों को बरकरार रखने में राजनीतिक इच्छाशक्ति एवं दृढ़ निश्चय का प्रदर्शन किया है। उनकी इस टिप्पणी को पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा गतिरोध के परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है।

सीडीएस ने एक सवाल के जवाब में कहा कि भारत और चीन के बीच सबसे बड़ा अंतराल साइबर क्षेत्र में हैं। साथ ही, उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश ने नयी प्रौद्योगिकी पर काफी निवेश किया है। जनरल रावत ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच क्षमताओं के बीच अंतराल बढ़ा है और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में चीन भारत के मुकाबले 'अग्रणी हो गया है।

उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि चीन हम पर साइबर हमला करने में सक्षम है और वह हमारे सिस्टम को बड़े पैमाने पर तबाह कर सकता है। हम ऐसा सिस्टम तैयार करने का प्रयास कर रहे हैं जिससे साइबर प्रतिरक्षा सुनिश्चित होगी।' उन्होंने कहा कि देश परोक्ष युद्ध से लेकर 'हाइब्रिड और गैर-संपर्क पारंपरिक युद्ध जैसे विभिन्न सुरक्षा खतरों तथा चुनौतियों का सामना कर रहा है।

जनरल रावत ने कहा कि भारत को अपने मित्रों में किसी तरह की असुरक्षा उत्पन्न किए बिना इस तरह की चुनौतियों से सख्ती एवं प्रबलता से निपटने की क्षमताएं विकसित करनी होंगी। उन्होंने अपने संबोधन में भारत की सेना के विकास का जिक्र किया और कहा कि देश को सुरक्षा समाधानों के लिए पश्चिमी जगत की तरफ देखने से बचना चाहिए और इसकी जगह विश्व को बताना चाहिए कि वह आए और विविध चुनौतियों से निपटने में भारत के व्यापक अनुभव से सीखे।

जनरल रावत ने कहा कि भारत के बाहरी खतरों से प्रभावी कूटनीति और पर्याप्त रक्षा क्षमता से निपटा जा सकता है, लेकिन साथ ही उल्लेख किया कि मजबूत राजनीतिक संस्थान, आर्थिक वृद्धि, सामाजिक सौहार्द, प्रभावी कानून व्यवस्था तंत्र, त्वरित न्यायिक राहत एवं सुशासन आंतरिक स्थिरता के लिए पहली आवश्यकता हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे नेतृत्व ने देश की सुरक्षा, मूल्यों और गरिमा पर 'अकारण हमले के मद्देनजर

महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हितों को बरकरार रखने में राजनीतिक इच्छाशक्ति एवं दृढ़ निश्चय का प्रदर्शन किया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

काशी विश्वनाथ मंदिर-ज्ञानव्यापी मस्जिद मामले पर आया बड़ा फैसला

नई दिल्ली। वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर-ज्ञानव्यापी मस्जिद मामले में बड़ा फैसला आया है। फास्ट ट्रैक कोर्ट की अदालत में पुरातात्विक सर्वे कराए जाने को अपनी मंजूरी दे दी है। वाराणसी की फास्ट ट्रैक कोर्ट के जज ने यह फैसला सुनाया है। पुरातत्व विभाग के 5 लोगों की टीम बनाकर पूरे परिसर का अध्ययन कराने के लिए फैसला दिया गया है। गौरतलब है कि दिसंबर 2019 में अधिवक्ता विजय शंकर रस्तोगी ने सिविल जज की अदालत में स्वयंभु ज्योतिर्लिंग भगवान विश्वेवर की ओर से एक आवेदन दायर किया था, जिसमें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संपूर्ण ज्ञानवापी परिसर का सर्वेक्षण करने का अनुरोध किया गया था।

महाराष्ट्र को अन्य राज्यों से रेमडेसिविर की खरीद करनी चाहिए: फडणवीस

नागपुर। भाजपा नेता देवेन्द्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि रेमडेसिविर की कमी से निपटने के लिए महाराष्ट्र सरकार को उन राज्यों से यह दवा खरीदनी चाहिए जहां कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर नहीं है। साथ ही उन्होंने रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस ने नागपुर हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा कि राज्य सरकार को रेमडेसिविर की उपलब्धता पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि पिछले साल कालाबाजारी की घटनाएं सामने आई थीं। उन्होंने कहा, ''यही हाल अब भी हो रहा है। सभी राज्यों में दूसरी लहर नहीं देखी जा रही है। इसलिए, सरकार को उन राज्यों से रेमडेसिविर की खरीद करनी चाहिए जहां महामारी की दूसरी लहर नहीं हैं।'' भाजपा नेता ने कहा कि राज्य सरकार को कोविड-19 टीकों को लेकर राजनीति नहीं करनीचाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने स्पष्ट रूप से महाराष्ट्र को दी जाने वाली टीके की खुराकों की संख्या, लंबित खुराक और आगे दी जाने वाली टीकों की संख्या बताई है। फडणवीस ने कहा, ''केंद्र की आलोचना करने वालों को यह देखना चाहिए कि महाराष्ट्र में उत्तर प्रदेश की तुलना में अधिक टीके हैं, जबकि उत्तर प्रदेश आबादी में इससे दोगुना है।

प्रकाश जावड़ेकर बोले, महाराष्ट्र सरकार का एकमात्र कार्यक्रम, लूटो और वसूली करो

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने सचिन वाजे के खुलासे के बाद महाराष्ट्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पिछले 30 दिन में महाराष्ट्र में बहुत उथल-पुथल हो रही है। एक बात साफ हो गई है कि ये 'महा विकास अघाड़ी' कहते हैं परन्तु ये 'महा वसूली अघाड़ी' है। पुलिस के द्वारा पैसे इकट्ठा करो, लूटो और वसूली करो यही महाराष्ट्र सरकार का एकमात्र कार्यक्रम चल रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सचिन वाजे कहीं सच न बोल दे इसलिए उसके जेल जाने के बाद भी उसका समर्थन शिवसेना वाले कर रहे थे। प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि आज कोविड वैक्सीन के 23 लाख डोज़ यानी 5 से 6 दिन का स्टॉक महाराष्ट्र सरकार के पास है। जिलों में वैक्सीन भेजना, जिलों से तहसील में भेजना, वहां से वैक्सीन केंद्रों तक वैक्सीन पहुंचाना, ये राज्य सरकार की ज़िम्मेदारी है।

उत्तर प्रदेश के बिजनौर में पटाखा बनाते समय विस्फोट में पांच लोगों की मौत

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर में एक पटाखा फैक्टरी में रखे ज्वलनशील पदार्थ में विस्फोट हो जाने से वहां काम कर रहे पांच मजदूरों की मौत हो गयी। धमाके के सिलसिले में फैक्टरी संचालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने बताया कि गुरूवार दोपहर जिले के बख्शीवाला गांव में एकांत में बने युसुफ नामक व्यक्ति के मकान के कमरे में आतिशबाजी बनाने का काम चल रहा था। उन्होंने बताया कि नौ मजदूर वहां पटाखे बना रहे थे तभी बारूद में आग लग गयी जो कमरे में फैल गयी। सिंह ने बताया कि घटना के बाद चार श्रमिक वहां से निकल गये, लेकिन पांच अन्य आग में घिर गये जिनकी झुलसने से मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि उनकी पहचान वेदपाल, चिंटू, प्रदीप, सोनू और ब्रजपाल के रूप में की गयी है। उन्होंने बताया कि मरने वाले सभी मजदूर निकटवर्ती बुखारा के रहने वाले थे।

रघु शर्मा का केंद्र सरकार पर आरोप, कहा- दो-ढाई घंटे में काम करना बंद कर देते हैं वेंटिलेटर्स, हम राजनीति नहीं कर रहे

जयपुर। राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री रघु शर्मा ने केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने हमें 1000 वेंटिलेटर भेजे हैं और हमने उन्हें लगाया। लेकिन यह वेंटिलेटर्स दो-ढाई घंटे में काम करना बंद कर देते हैं। जब मुख्यमंत्री जी ने रिव्यू मीटिंग की और वेंटिलेटर्स बंद होने का मामला सामने आया तो यह कहा गया कि भारत सरकार को वेटिलेंटर्स की कमी के बारे में अवगत कराया जाए। उन्होंने बताया कि हमने भारत सरकार को इसकी जानकारी दी। इसमें कोई राजनीति नहीं है।

टीके की कमी का आरोप बेबुनियाद, महाराष्ट्र अपनी विफलता से ध्यान भटकाने के प्रयास में: हर्षवर्द्धन

नयी दिल्ली/ मुबई। (एजेंसी)।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्द्धन ने बुधवार को महाराष्ट्र एवं कुछ अन्य राज्यों पर लोगों का ध्यान बंटाने और उनमें दहशत फैलाने के लिए ''गैर जिम्मेदाराना' बयान देकर एवं ''निंदनीय'' प्रयास के माध्यम से इस महामारी को लेकर उनकी 'विफलताओं' को ढंकने की कोशिश करने का आरोप लगाया। कड़े शब्दों में जारी किये गये बयान में मंत्री ने टीके की कमी के महाराष्ट्र सरकार के दावे को बकवास बताया और कहा कि राज्य के 'लापरहवाहीपूर्ण' रवैये ने इस वायरस के खिलाफ लड़ाई में पूरे देश के प्रयास को कमतर किया है। उन्होंने कहा, ''जिम्मेदाराना तरीके से काम करने की महाराष्ट्र की असमर्थता समझ से परे है। लोगों में दहशत फैलाना स्थिति को और बिगाड़ना है। टीके की आपूर्ति मांग के हिसाब से निश्चित समयसीमा में की जा रही है और राज्य सरकार को नियमित रूप से इस बात की सूचना दी जा रही है। टीके की कमी के आरोप पूरी तरह बेबुनियाद हैं।''

इससे पहले महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा था कि महाराष्ट्र में कई टीकाकरण केंद्र कोरोना वायरस टीकों की कमी की वजह से बंद किये जा रहे हैं और फिलहाल राज्य में 14 लाख खुराक ही हैं जो तीन दिनों में खत्म हो जायेंगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में ''जांच समुचित नहीं है और संपर्क की पहचान की दिशा में भी काफी करना वांछनीय है।'' उन्होंने कहा कि टीके की कमी के बारे में राज्य में जनप्रतिनिधियों द्वारा दिये गये बयान कुछ नहीं बल्कि इस महामारी को नियंत्रित करने में उनकी बार बार की विफलता से ध्यान बंटाने का प्रयास है। अठारह साल से उपर के सभी लोगों के लिए टीकाकरण खोल देने की नेताओं की मांग पर उन्होंने कहा कि टीकाकरण का प्राथमिक लक्ष्य सबसे अधिक जोखिम वाले लोगों में मृत्यु का अनुपात घटाना और समाज को इस महामारी को हराने के लायक बनाना है।

उन्होंने कहा, '' जबतक टीके की आपूर्ति सीमित है तब तक प्राथमिकीकरण के सिवा कोई और विकल्प नहीं है। '' महाराष्ट्र और दिल्ली टीकाकरण के लिए उम्र सीमा हटाने की मांग कर रहे हैं। हर्षवर्धन ने छत्तीसगढ़ के बारे में कहा कि निरंतर ऐसे बयान दिये जा रहे हैं जिनकी मंशा टीकाकरण के बारे में दुष्प्रचार और घबराहट फैलाना है। उन्होंने कहा कि पंजाब में मृत्यु दर को घटाने के लिए ऐसे मरीजों की जल्द पहचान किए जाने की आवश्यकता है जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराये जाने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि बड़ी संख्या में राज्यों में मास्क पहनने और दूरी कायम करने के नियम पालन में शिथिलता हो रही है।

सेना प्रमुख जनरल नरवणे पांच दिवसीय यात्रा के लिए बांग्लादेश रवाना, कई रणनीतिक मुद्दों पर होगी चर्चा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे बृहस्पतिवार को बांग्लादेश की पांच दिन की यात्रा पर रवाना हुए। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कई रणनीतिक मुद्दों पर सहयोग एवं समन्वय बढ़ाने को लेकर चर्चा की जाएगी। जनरल नरवणे की इस यात्रा से दो हफ्ते पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पड़ोसी देश की यात्रा की थी। अधिकारियों ने बताया कि जनरल नरवणे बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम के शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे और इसके बाद वह तीनों सेनाओं के प्रमुखों से आमने-सामने की मुलाकात करेंगे। सेना प्रमुख 11 अप्रैल को बांग्लादेश के विदेश मंत्री से भी बातचीत करेंगे।

सेना के प्रवक्ता कर्नल अमन आनंद ने बताया, ÷आठ अप्रैल से 12 अप्रैल की यात्रा दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और गहराई देगी तथा कई सामरिक मुद्दों पर दोनों देशों के बीच करीबी समन्वय एवं सहयोग को बढ़ाने में मददगार होगी।÷ इस साल बांग्लादेश की आजादी को 50 वर्ष पूरे हो गए हैं और यह देश के संस्थापक बंगबधु शेख मुजीबुर रहमान की जन्मशती का वर्ष भी है। बांग्लादेश से करीबी संबंधों के परिचायकके तौर पर , भारत देश को आजादी दिलाने वाले 1971 के मुक्ति संग्राम की 50वीं वर्षगांठ मनाने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है।

कर्नल आनंद ने बताया कि जनरल नरवणे 12 अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षण मिशनों के बल कमांडरों और रॉयल भूटानीज आर्मी के अभियान उपप्रमुख अधिकारियों से भी संवाद करेंगे। वह 'शांतिर आग्रोसेना' के समापन समारोह में भी शामिल होंगे जो आतंकवाद को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा आवश्यक बनाया गया अभ्यास है और चार अप्रैल से 12 अप्रैल तक होगा। बांग्लादेश और भारत की सेना के अलावा, इस अभ्यास में भूटान, श्रीलंका के साथ ही अमेरिका, ब्रिटेन, तुर्की और सऊदी अरब के पर्यवेक्षक भी हिस्सा ले रहे हैं।

सेना प्रवक्ता ने बताया कि सेना प्रमुख बांग्लादेश शांति समर्थन एवं प्रशिक्षण अभियान संस्थान (बिपसोट) के सदस्यों के साथ भी संवाद करेंगे। उन्होंने बताया कि जनरल नरवणे संयुक्त राष्ट्र शांति समर्थन अभियानों पर एक सम्मेलन में भाग लेंगे और 'वैश्विक संघर्षों की बदलती प्रकृति ़ संरा शांतिरक्षकों की भूमिका' विषय पर भाषण देंगे। सेना प्रमुख धानमोंडी में मुजीबुर रहमान स्मारक संग्राहलय भी जाएंगे जहां वह बांग्लादेश के राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि देंगे।

ममता बनर्जी ने मतदाताओं को चौकन्ना रहने की दी सलाह, बोलीं- केंद्रीय बलों के जवान डराने-धमकाने पहुंच सकते हैं

बालागढ़। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को मतदाताओं को चौकन्ना रहने की सलाह देते हुए कहा कि केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों के जवान गांवों में लोगों को डराने-धमकाने पहुंच सकते हैं। हुगली जिले के बालागढ़ में जनसभा को संबोधित करते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय बल 'अमित शाह द्वारा संचालित केंद्रीय गृह मंत्रालय' के निर्देशों पर काम कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''मैं केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों के प्रति सम्मान रखती हूं लेकिन वे दिल्ली के निर्देशों पर काम कर रहे हैं। वे मतदान वाले दिन से पहले ग्रामीणों पर अत्याचार करते हैं। कुछ तो महिलाओं का उत्पीड़न कर रहे हैं। वे लोगों से भाजपा के लिए वोट करने को कह रहे हैं। हम ऐसा नहीं होने देंगे।'' बनर्जी ने कहा कि राज्य पुलिस बल को चौकन्ना रहना चाहिए और दिल्ली के सामने झुकना नहीं चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, ''आपका काम निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराना है। कृपया शरारती तत्वों के साथ सख्ती से पेश आएं और एकजुटता बनाकर रखें।'' ग्रामीणों को केंद्रीय बलों की किसी भी ज्यादती पर स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने की सलाह देते हुए बनर्जी ने कहा, ''अगर थानों में प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाए तो हमें

सूचित करें।'' भाजपा पर पूरे इलाके में धारा 144 लागू होने का झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''वे दहशत फैलाने के लिए झूठ बोलते हैं। वास्तव में किसी बूथ के 200 मीटर के दायरे में धारा 144 लगी होती है। लेकिन वे हमारे मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक जाने से रोकने के लिए ऐसा कर रहे हैं।'' उन्होंने मतदाताओं से कहा कि पश्चिम बंगाल को 'एक और गुजरात' नहीं बनने दें। उन्होंने कहा, ''अगर आप गुप्तीपारा की सबसे पुरानी दुर्गा पूजा को बचाना चाहते हैं, यदि आप दुर्गा पूजा जैसे त्योहारों को बचाना चाहते हैं तो भाजपा को हराएं।'' बनर्जी ने महेश में ऐतिहासिक रथयात्रा के संरक्षण का, बंदेल चर्च में समारोहों का, जंगलमहल में अनोखे संथाल त्योहारों के संरक्षण का अपना वादा दोहराया तथा भाषण समाप्त करते हुए 'चंडी मंत्र' पढ़ा।

रामसेतु को धरोहर घोषित करने पर 26 को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट, जानें याचिका में क्या दी गई है दलील

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह भाजपा नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी की उस याचिका पर 26 अप्रैल को सुनवाई करेगा, जिसमें रामसेतु को राष्ट्रीय धरोहर स्मारक घोषित करने के लिए केंद्र को निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया गया है। स्वामी ने प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे और न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना तथा वी रामसुब्रमण्यन की पीठ से आग्रह किया था कि याचिका पर तत्काल सुनवाई की जरूरत है।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) 23 अप्रैल को अवकाश ग्रहण करने वाले हैं। उन्होंने कहा, अगले सीजेआइ को इस मुद्दे से निपटने दें। मेरे पास इतना समय नहीं है। इस मुद्दे के लिए समय चाहिए और मेरे पास समय नहीं है। भाजपा नेता ने कहा कि यह मुद्दा काफी लंबे समय से लंबित है। इस पर पीठ ने मामले को 26 अप्रैल को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया।

इससे पहले न्यायालय ने 23 जनवरी, 2020 को कहा था कि वह रामसेतु के संबंध में स्वामी की याचिका पर तीन महीने बाद विचार करेगा। तमिलनाडु के दक्षिण-पूर्वी तट पर रामेश्वरम और श्रीलंका के मन्नार द्वीप के बीच चूने की चट्टानों की श्रृंखला है। इसे एडम्स ब्रिज (आदम का पुल) भी कहा जाता है।

भाजपा नेता ने दलील दी थी कि उन्होंने मुकदमे का पहला दौर पहले ही जीत लिया है, जिसमें केंद्र ने रामसेतु के अस्तित्व को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने कहा था कि संबंधित केंद्रीय मंत्री ने सेतु को राष्ट्रीय धरोहर स्मारक घोषित करने की उनकी मांग पर विचार करने के लिए 2017 में एक बैठक बुलाई थी, लेकिन बाद में कुछ नहीं हुआ।

पति से अलग होने की वजह बताए बिना पत्नी गुजारा भत्ता पाने की हकदार नहीं

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली की सत्र अदालत के समक्ष एक अजीबो-गरीब मामला आया। इसमें पति और पत्नी दोनों ने ही निचली अदालत के निर्णय को चुनौती देते हुए अपील दायर की थी। दरअसल निचली अदालत ने पति की आय के हिसाब से महिला का गुजारा भत्ता तय कर दिया था। यहां पत्नी का कहना था कि पति की आय जितनी है उसका दस फीसदी भी उसको गुजारा भत्ते के तौर पर नहीं दिया गया, जबकि पति का कहना था कि पत्नी किस आधार पर गुजारा भत्ता मांग रही है, जबकि उसने ऐसा कोई काम नहीं किया है।

साकेत कोर्ट स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ए अग्रवाल की अदालत ने पूरे मामले को सुनने के बाद पति की दलील को न्यायसंगत माना। अदालत ने कहा कि महिला ने अपनी याचिका में स्पष्ट तौर पर पति से अलग होने की कोई वजह नहीं बताई। पति-पत्नी का संबंध एक साथ एक छत के नीचे रहने का होता है। अगर पत्नी अपने पति से अलग होती है तो उसके पीछे कोई वजह होती है। अलग रहने का कारण बताकर पत्नी अपने पति से गुजारा भत्ता मांग सकती है, लेकिन जहां तक इस मामले का सवाल है प्रथमदृष्टया यहां पत्नी के अलग होने का कोई स्पष्ट कारण नहीं है। ऐसे में पति गुजारा भत्ता देने के दायरे में नहीं आता। कोर्ट ने कहा कि पति से अलग होने की वजह बताए बिना पत्नी गुजारा भत्ता पाने की हकदार नहीं है।

वहीं, पत्नी का कहना था कि पति की प्रतिमाह लाखों रुपयों की आमदनी है, लेकिन निचली अदालत ने महज कुछ हजार रुपये का गुजारा भत्ता तय कर मामले का निपटारा कर दिया है। सत्र अदालत ने इस मामले में दोनों पक्षों को सुनने के बाद तय किया कि निचली अदालत दोबारा से दोनों पक्षों को सुने। इसमें पत्नी से अलग होने का कारण भी जाना जाए। इसके अलावा पत्नी की उस दलील को भी सुना जाए, जिसके मुताबिक उसे कम गुजारा भत्ता मिल रहा है। इसके बाद इस मामले में निर्णय पर पहुंचा जाए। अदालत ने इस मामले की फाइल को दोबारा संबंधित अदालत में स्थानांतरित कर दिया है।

मुख्यमंत्री अमरिंदर ने पीएम मोदी से 937 करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी देने का किया आग्रह

चंडीगढ़। (एजेंसी)।

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नौवें सिख गुरु तेग बहादुर को श्रद्धांजलि देने के लिए 937 करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू करने के राज्य सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी देने का बृहस्पतिवार को अनुरोध किया। इस साल गुरु तेग बहादुर का 400वां 'प्रकाश पर्व' मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा भेजे प्रस्ताव में श्री आनंदपुर साहिब को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करना भी शामिल है। 400वें प्रकाश पर्व (जयंती) के जश्न के लिए योजनाओं को अंतिम रूप देने के वास्ते प्रधानमंत्री द्वारा बुलाई एक उच्च स्तरीय राष्ट्रीय बैठक में भाग लेते हुए सिंह ने कहा, ''हम सौभाग्यशाली हैं कि हमें अपनी ज़िंदगी में इस महान समारोह का जश्न मनाने का मौका मिल रहा है और मैं मोदी जी से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध करता हूं कि यह ऐतिहासिक कार्यक्रम न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि वैश्विक स्तर पर भी मनाया जाए।''

सिंह ने कहा कि ''हिंद दी चादर'' के नाम से मशहूर गुरु तेग बहादुर देश की महान बहुलवादी परंपरा और धर्म निरपेक्षता के चमकते प्रतीक हैं और उनका सर्वोच्च बलिदान ''शीश दिया पर सिर न दिया'', भारत के इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह ''खुशकिस्मत' हैं कि उनके कार्यकाल के दौरान उन्हें गुरु गोबिंद सिंह की 350वीं जयंती और गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व का भव्य जश्न मनाने का मौका मिला। उन्होंने कहा, ''यहां तक कि मेरे पिछले कार्यकाल में भी मुझे गुरु ग्रंथ साहिब जी की 400वीं वर्षगांठ का जश्न मनाने का सौभाग्य मिला था।'' इस संबंध में केंद्र को भेजे ज्ञापन पर मोदी को जानकारी देते हुए सिंह ने कहा कि उनकी सरकार की योजना राज्य के उन शहरों और गांवों को पहचान दिलाने की है जो गुरु साहिब के जीवन से जुड़े। उन्होंने कहा कि इस संबंध में अमृतसर के अलावा श्री आनंदपुर साहिब और बाबा बकाला शहर महत्वपूर्ण हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा भेजे प्रस्ताव में श्री आनंदपुर साहिब, अमृतसर और बाबा बकाला में और उसके आसपास बुनियादी ढांचे के विकास की परियोजनाएं, पंजाब के उन 78 गांवों में जल संरक्षण के लिए तलाबों तथा पारंपरिक जल स्रोतों का कायाकल्प करना शामिल है जहां गुरु गए थे। साथ ही अमृतसर और बाबा बकाला में क्रमशः श्री गुरु तेग बहादुर स्कूल ऑफ टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी और श्री गुरु तेग बहादुर इंस्टीट्यूट ऑफ हैंडीक्राफ्ट्स खोलने की योजना है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस मौके पर विशेष स्मारक डाक टिकट जारी करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने मोदी को बताया कि एक मई को होने वाले मुख्य कार्यक्रम की तैयारियों को कोविड-19 की स्थिति को देखते हुए अंतिम रूप दिया जा रहा है।

उन्होंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री अमित शाह का देशभर में इस ऐतिहासिक समारोह के जश्न की विस्तृत योजनाएं बनाने के लिए आभार जताया। मोदी और शाह के अलावा इस वर्चुअल बैठक में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे भी शामिल हुए। केंद्र सरकार ने गुरु तेग बहादुर के 400वें प्रकाश पर्व से संबंधित नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों को मंजूरी देने के लिए पिछले साल 24 अक्टूबर को एक उच्च स्तरीय राष्ट्रीय समिति गठित की थी। समिति में 70 सदस्य शामिल हैं और प्रधानमंत्री इसके अध्यक्ष हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)